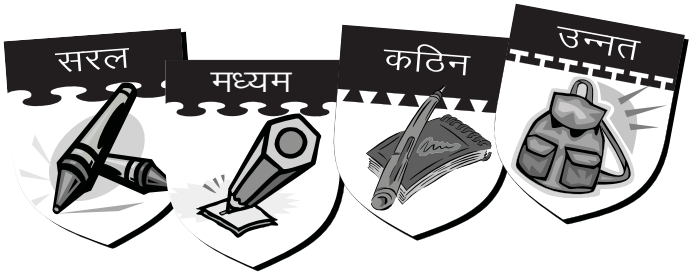

शिक्षकों की पुस्तक

हर उम्र के लिए

अपने मैग्निफाईंग ग्लास (सूक्ष्म दर्शी शीशा) और गुप्त डिकोडर को ले लें क्योंकि...

यह समय... परमेश्वर के वचन में उतरने का है।

उस पहले सण्डे स्कूल के विषय को फिर से याद करना कितना उत्साहवर्धक है, जिसे मैंने कई वर्षो पूर्व लिखा था, इसी समय हमनें बच्चों की सेवकाई को आरम्भ किया था। मैक्सिको के सोनारो में, वो हमारा प्रथम वर्ष, जहाँ हम नमक के गन्द से भरे हुए एक बड़े से प्लाट में एक वाहन–घर में रहते थे। ..... जहाँ न तो कोई वृक्ष, न साफ पीने का पानी और न ही बिजली थी। लेकिन वहीं पर ये विषय वस्तुऐं जन्मी। जिस दिन मैंने इसका अन्तिम अध्याय लिखा। परमेश्वर ने मुझे बच्चों की सेवकाई के लिए निरन्तर लिखते रहने को कहा। हम इसी लिखित पाठयक्रम के साथ आरम्भ करते हैं। जो कि अब मेरी बुलाहट बन चुकी है कि मैं मसीह की देह को किफायती सामग्री उपलब्ध करा सकूं, और अगली पीढ़ी को सम्पूर्ण भक्ति सहित, यीशु के शिष्यों के रुप में तैयार कर सकूं। हमने वास्तविक लेख में कुछ परिवर्तन किये हैं : कुछ खेल, हस्तशिल्प और कुछ एक बेहतर कलाकृतियों ने ली है, परन्तु छात्रों द्वारा खोज निकालने वाले साप्ताहिक संदेश वैसे ही उन्माद से भरा है, जैसे पहली बार था। वो जो 30 कलीसियाओं से आरम्भ होकर सैंकड़ों और फिर हजारों कलीसियाओं तक पूरी दुनियां में फैल गया। मैं परमेश्वर का धन्यवाद करती हूँ, कि उसने मुझे चुनौती दी और उसे पूरा करने के लिए अग्रसर किया, और जिस बुलाहट को प्रभु ने मेरे जीवन में दिया उसकी मैं आज्ञाकारी होने के लिए धन्यवादी हूँ।

यीशु द्वारा मत्ती की पुस्तक में दिये दृष्टान्त हमेशा से मेरे मुख्य भाग रहे हैं। एक तरफ तो यह कार्य हमारे द्वारा किये कार्यों में अति साधारण हैं, परन्तु यदि आप यीशु के दृष्टान्तों के विषय में सोचें तो उनमें छिपे संदेशों में कुछ भी साधारण न था। यीशु ने भीड़ से दृष्टान्तों के स्वरुप में (पहेलियों) बातें की और लोगों को उसकी शिक्षाओं का अर्थ समझा दिया। शिक्षक होने के नाते आपका कार्य है कि छात्रों की सोच को पंख लगने दें, कि वे उड़ें और स्वयं को एक जासूस समझें। वे जल्द ही यीशु द्वारा दृष्टान्तों के अर्थ को खोज निकालेगें, जिन्हें हम आने वाले 13 सप्ताहों में अध्यन करने जा रहें हैं। जितना अधिक आप छात्रों को उनकी स्वतन्त्र सोच से खोजने देगें, वे उतना ही अधिक गहराई से प्रत्येक अध्याय को समझेगें। फिर जल्द ही वे पाठ्यक्रम मे छिपे गुप्त सन्देश को समझने पायेंगें, कि परमेश्वर का राज्य .....

आ	प	के	ह्र	द	य	में	ही	ब	सा	हु	आ	है
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13

बहन क्रिस्टीना क्रॉस

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

इस पाठ्यक्रम में, ''जासूसः परमेश्वर के राज्य की छानबीन'' की जांच पडताल कर रहे हैं'' आपको अपनी कक्षा के अध्ययन को सफल बनाने हेतु कुछ एक भिन्न बातों को करना होगा ...

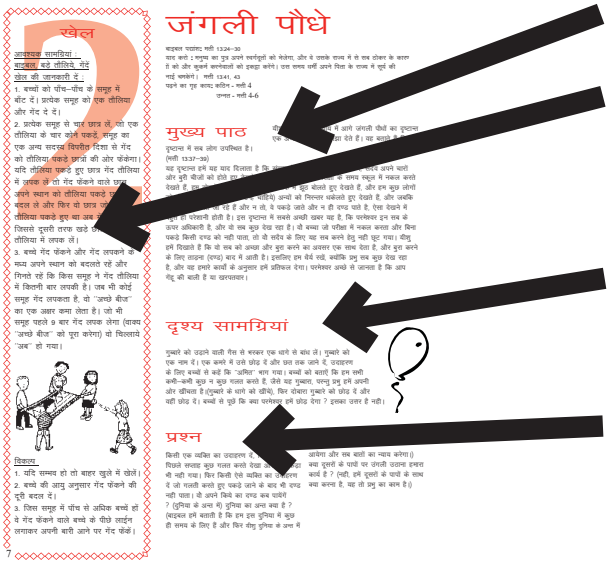

शिक्षकों के लिए

मुख्य पाठ और विचार शिक्षकों के लिए है ताकि कक्षा का ध्यान केंद्रित कर सके।

खेल अध्ययन द्वारा यह ज्ञात हुआ है कि विश्व भर की कक्षाओं में 90 प्रतिशत छात्र बोर रहते हैं। अपने छात्रों को जागृत करने के लिए कुछ खेलों का प्रयोग करें, जिससे वे बोर न हों। खेलों की सहायता से आप अपने छात्रों को सक्रिय तो बनाये ही रखेंगें, साथ ही मुख्य विषय पर उनका ध्यान केन्द्रित करने में सहायता भी करेंगें।

दृश्य सामग्रियां यह एक मनोरंजक स्वरुप अध्याय की प्रस्तुति करने व कक्षा में छात्रों को उन वस्तुओं द्वारा रोमांचित करने का तरीका है, जिन्हें प्रत्येक सप्ताह आप अपने घर से लाते हैं।

प्रश्न यह प्रश्न बड़े बच्चों के लिए उपलब्ध कराया गया है, जो इस बात को सुनिश्चित करने में मदद करेगा कि वे दृष्टांतों के अर्थ को समझ रहे हैं।

उत्तर छात्रों की पुस्तकों में प्रत्येक अध्याय के उत्तर, पृष्ठ के दायें हाथ की ओर दिये गये हैं।

गुप्त संदेश और हल करने की कुन्जी

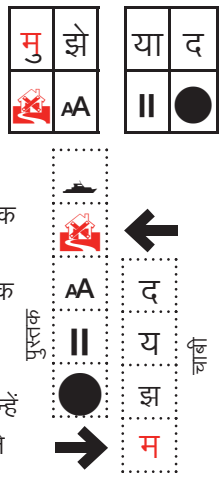

प्रत्येक सप्ताह छात्र पुस्तिकाओं में एक गुप्त सन्देश है, जिसे अध्याय में प्रयोग किया गया है। छात्र की पुस्तकों के पिछले पृष्ठ पर (केवल बड़े छात्रों के लिए) गुप्त शब्द को जानने की कुन्जी दी गई है। पुस्तक के पीछे से एक कैंची की सहायता द्वारा उस सहायक कुन्जी को काट लें, और फिर उसे प्रत्येक अध्याय के लिए सभी 13 सप्ताहों तक प्रयोग करें। हमारा सुझाव इन्हें जोड़ने वाले कागज पर एक साथ लगाने या इन्हें लेमीनेट करने का है, जिससे ये 3 महीने तक सही बने रहें। इन्हें अपने छात्रों के घर न भेंजें, इन्हें कलीसिया में ही रखें, जिससे यह प्रत्येक सप्ताह आपके पास उपलब्ध रहे। गुप्त सन्देश को खोजने के लिए तीर को उस आकृति की ओर दिखायें जिसको आप खोज रहे हैं (दायीं ओर दिये उदाहरण को देखें) आपकी पुस्तक में दिया गया तीर उत्तर की ओर संकेत कर रहा है।

गुप्त संदेश

प्रत्येक पाठ के प्रत्येक पृष्ट में एक अक्षर छिपा है, जब बच्चे एक बार अक्षर ढूंढ ले तो फिर उन्हें अपनी कुन्जी से उसे हल करना हैं, और फिर पुस्तक के प्रथम पृष्ठ पर जाकर उसे उससे सम्बन्धित खाने में लिखें। प्रत्येक सप्ताह वे गुप्त वाक्य में एक अक्षर जोड़ेगें, ऐसा करके वह 13 सप्ताह (तीन माह) में उत्तर को पा लेंगें ..... ''आपके हृदय में ही बसा हुआ है''।

छात्र किताबें

छात्रों की पुस्तकें शिक्षकों के लिए छात्रों के ध्यान को बाँधने और कक्षा को और मनोरंजक बनाने का शस्त्र (जरिया) है।

निम्नलिखित गतिविधियां पुस्तकों में दी गई हैं :

- बाइबल अंश – हमनें बाइबल के अंश को पुस्तकों में ही छाप दिया है, जिससे एक साथ कक्षा में बाइबल पढ़ सकें।
- याद करने की आयत –
- पहेली सुलझाना –

- गुप्त सन्देश (बड़े छात्रों के लिए) – प्रत्येक सप्ताह गुप्त सन्देश का पता लगाने के लिए, दिये निर्देशों का पालन करें, और यह पक्का कर लें कि प्रत्येक छात्र के पास एक गुप्त सन्देश को पाने की कुन्जी है।
- मत्ती को पढ़ें (बड़े छात्रों के लिए) – यह एक अतिरिक्त कार्यक्रम है, कि आप अपने छात्रों को और अधिक बाइबल पढ़ने का प्रशिक्षण दें। प्रत्येक सप्ताह मत्ती की पुस्तक को 2–3 अध्यायों में बांटा गया है , इसीलिए यदि वह बाइबल के दिये गृह कार्य को पढ़ते हैं तो 13 सप्ताह में मत्ती की सम्पूर्ण पुस्तक को इस पाठयक्रमानुसार पूरा कर सकते हैं। एक शिक्षक होने के नाते यह आप पर निर्भर करता है कि आप इस पढ़ने के कार्यक्रम में कितना ध्यान देकर उन्हें इसमें कितना सफल देखना चाहते हैं ?

काटें और चिपकायें

बच्चों को स्टीकर बहुत अच्छे लगते हैं। छोटे बच्चों के लिए हमने प्रत्येक सप्ताह एक स्टीकर को काट कर उनकी पाठ्य पुस्तक में चिपकाने का कार्य दिया है। छात्र दिये बिन्दुओं के मध्य में स्टीकर को चिपकायें और फिर चित्र में रंग भरे।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

जासूस परमेश्वर के राज्य की छानबीन

1

पदचिन्ह 1

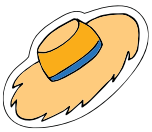

बीज बोनेवाला

बाइबल पद्यांश

जो अच्छी भूमि में बोया गया, यह वह है, जो वचन को सुनकर समझता है, और फल लाता है कोई सौ गुना, कोई साठ गुना, कोई तीस गुना। मत्ती 13:23

2

पदचिन्ह 2

जंगली पौधे

बाइबल पद्यांश

मनुष्य का पुत्र अपने स्वर्गदूतों को भेजेगा, और वे उसके राज्य में से सब ठोकर के कारणों को और कुकर्म करनेवालों को इकट्ठा करेंगे। उस समय धर्मी अपने पिता के राज्य में सूर्य की नाई चमकेंगे। मत्ती 13:41, 43

3

पदचिन्ह 3

राई का दाना

बाइबल पद्यांश

कि स्वर्ग का राज्य राई के एक दाने के समान है; वह सब बीजों से छोटा तो है पर जब बढ़ जाता है तब सब साग पात से बड़ा होता है; और ऐसा पेड़ हो जाता है। मत्ती 13:31ब–32अ

4

पदचिन्ह 4

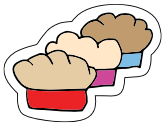

खमीर

बाइबल पद्यांश

कि स्वर्ग का राज्य खमीर के समान है जिस को किसी स्त्री ने लेकर तीन पसेरी आटे में मिला दिया और होते होते वह सब खमीर हो गया। मत्ती 13:33ब

5

पदचिन्ह 5

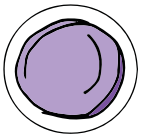

गुप्त खज़ाना और मोती

बाइबल पद्यांश

फिर स्वर्ग का राज्य एक व्योपारी के समान है जो अच्छे मोतियों की खोज में था। जब उसे एक बहुमूल्य मोती मिला तो उस ने जाकर अपना सब कुछ बेच डाला और उसे मोल ले लिया। मत्ती 13:45–46

6

पदचिन्ह 6

खोई हुई भेड़

बाइबल पद्यांश

ऐसा ही तुम्हारे पिता की जो स्वर्ग में है यह इच्छा नहीं, कि इन छोटों में से एक भी नाश हो। मत्ती 18:14

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

7

पदचिन्ह 7

निर्दयी सेवक

बाइबल पद्यांश

तू ने जो मुझ से बिनती की, तो मैं ने तो तेरा वह पूरा कर्ज क्षमा किया। सो जैसा मैं ने तुझ पर दया की, वैसे ही क्या तुझे भी अपने संगी दास पर दया करना नहीं चाहिए था? मत्ती 18:32ब–33

8

पदचिन्ह 8

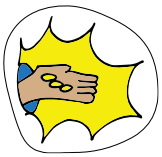

मज़दूर

बाइबल पद्यांश

वह पहिले होंगे, और जो पहिले हैं, वे पिछले होंगे। मत्ती 20:16

9

पदचिन्ह 9

दो पुत्र

बाइबल पद्यांश

क्योंकि यूहन्ना धर्म के मार्ग से तुम्हारे पास आया, और तुम ने उस की प्रतीति न की: पर महसूल लेनेवालों और वेश्याओं ने उस की प्रतीति की: और तुम यह देखकर पीछे भी न पछताए कि उस की प्रतीति कर लेते। मत्ती 21:32

10

पदचिन्ह 10

किसान

बाइबल पद्यांश

इसलिये मैं तुम से कहता हूं, कि परमेश्वर का राज्य तुम से ले लिया जाएगा; और ऐसी जाति को जो उसका फल लाए, दिया जाएगा। मत्ती 21:43

11

पदचिन्ह 11

विवाह भोज

बाइबल पद्यांश

इसलिये चौराहों में जाओ, और जितने लोग तुम्हें मिलें, सब को ब्याह के भोज में बुला लाओ। सो उन दासों ने सड़कों पर जाकर क्या बुरे, क्या भले, जितने मिले, सब को इकट्ठे किया; और ब्याह का घर जेवनहारों से भर गया। मत्ती 22:9–10

12

पदचिन्ह 12

दस कुंवारियां

बाइबल पद्यांश

इसलिये जागते रहो, क्योंकि तुम न उस दिन को जानते हो, न उस घड़ी को। मत्ती 25:13

13

पदचिन्ह 13

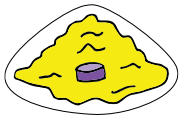

सोने के सिक्के

बाइबल पद्यांश

धन्य है अच्छे और विश्वासयोग्य दास, तू थोड़े में विश्वासयोग्य रहा; मैं तुझे बहुत वस्तुओं का अधिकारी बनाऊंगा अपने स्वामी के आनन्द में सम्भागी हो। मत्ती 25:21ब

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

बीज बोनेवाला

बाइबल पद्यांश: मत्ती 13:3-23

याद करो: *जो अच्छी भूमि में बोया गया, यह वह है, जो वचन को सुनकर समझता है, और फल लाता है कोई सौ गुना, कोई साठ गुना, कोई तीस गुना। मत्ती 13:23*

पढ़ने का गृह कार्य: कठिन - मत्ती 2
उन्नत - मत्ती 1-3

आपकी कक्षा सारणी

- आपकी कक्षा को आरम्भ करने हेतु दृश्य सामग्रियां
- मुख्य अध्याय कहानी बतायें, उसे नाटय रुप दें, याद करने की आयत को भी इसमें शमिल करें, याद करने की आयत याद करने में उनकी सहायता करें।
- खेल द्वारा याद करने की आयत को दोहरायें
- छात्र पुस्तकें
- गुप्त सन्देश (बड़े छात्रों के लिए) और स्टीकर (छोटे छात्रों के लिए)
- बाइबल पढ़ने का गृह कार्य

खेल

आवश्यक सामग्रियां

धागे, प्लेटें।

खेल की तैयारी

एक लाईन को बनाने में धागे का प्रयोग करें, कि वो कहीं भी जाये। लाईन जहॉ आरम्भ हो वहीं पर खत्म हो। दस–दस बच्चों की एक–एक लाईन बनायें।

खेल का निर्देशन करें

1. प्रत्येक समूह के आरम्भ में दस बच्चों से अधिक न हों। प्रत्येक लाईन में खड़े पहले बच्चे को दो प्लेटें दें। बच्चों को प्लेटों पर खड़ा होने दें।
2. आपके इशारे पर पहला बच्चा लाईन के चारों ओर चले, जबकि उसके दोनों पॉव प्लेटों में ही रहें। जब वह चक्कर लगाकर अपने स्थान पर आ जाये, फिर अगला बच्चा अपनी बारी आरम्भ करे। जब तक सबकी बारी न आ जाये इसी प्रकार खेल चलता रहता है ।

विकल्प :

1. जब कुछ बच्चों की बारी हो जाये, तो धागे की लाईन बदल दें।
2. खेल के मध्य आवश्यकतानुसार नई प्लेटें दें।
3. प्रत्येक बाइबल पद को अलग तख्ती/कागज पर छापें या लिखें। तख्ती पर लिखे शब्द मिला–जुला कर एक लाईन में सजायें। बच्चे लाईन में आगे बढ़ते हुए लिखे पद के शब्दों में से एक उठा लें और फिर उन्हें नियमित रुप से सजा/लगा दें।

मुख्य पाठ

यह पद विभिन्न प्रकार के लोगों के विषय में चर्चा करता है, जिन्होंने परमेश्वर के राज्य के विषय प्रतिक्रिया करते हैं। चाह बाइबल का सन्देश सर्वदा एक ही रहा है, परन्तु प्रत्येक व्यक्ति का प्रतिक्रिया भिन्न ही है। यीशु इस अध्याय में कुछ देर बाद इस दृष्टान्त का अर्थ समझाते हैं। वे चिड़िया जो सड़क से बीज को उठा ले जाती हैं, वे शैतान का प्रतिरुप हैं। पथरीली भूमि उन लोगों को प्रस्तुत करती है जिनके पास जड़े नही, वे वचन को आनन्द के साथ ग्रहण तो करते हैं, परन्तु वो उनके जीवनों में देर तक बना नही रहता। कटीली झाड़ियां इस संसार के जीवन और पैसे की चिन्ताऐं है जो परमेश्वर के संदेश को दबा देती हैं। अतः अच्छी भूमि एक ऐसे आदमी को प्रस्तुत करती है जो वचन सुनता और उसे समझता है। ये आपके जीवन में अच्छी वस्तुओं को उत्पन्न कर सकता है, जोकि आपके उगाये जाने से 30, 60 और 100 गुना फल लाता है। अब ऐसा जीवन तो एक सफल जीवन होगा। आप में से कितने मुकाबला करना पसन्द करेंगें ? अच्छा आप को यहाँ एक अवसर है, परमेश्वर चाहता है कि आप परमेश्वर के राज्य के विषय के शब्दों को सुने और समझें। इस कड़ी में हम विभिन्न दृष्टान्तों का अध्ययन करेगें , जिन्हें यीशु ने स्वर्ग के राज्य के विषय में बोला है। आज के दिन आप के लिए चुनौती है कि आप हृदय को सुनने और समझने के लिए तैयार करें। आप के लिए चुनौती अपने हृदय को अच्छी मिट्टी करके तैयार करें, जो परमेश्वर के वचन तुरन्त ग्रहण करने को तैयार हों। हम कैसे अच्छी भूमि बन सकते हैं ? केवल दृष्टान्त पर ध्यान दें। यह सुनिश्चित करें कि आप भूमि में अच्छे से रोपे गये हैं (सुनिश्चित करें कि आप शिक्षा को समझ रहे हैं), सुनिश्चित करें कि आप की जड़ें गहराई में उतरी हों (जब समस्या आये तो अपनी राय न बदल दें, परन्तु सदृढ़ता से डटे रहें) और यह भी सुनिश्चित कर लें कि आप कटीली झाड़ियों से दबके न रह जायें (अपने स्वयं के जीवन को इस जीवन व धन की चिन्ताओं से बोझिल न होने दें) इस तरह से आप अपने जीवन में परिणामों को लाने के लिए तैयार हो जायेगें। परमेश्वर चाहता है कि हम सब के पास आत्मिक फल हो, लेकिन आपकी फसल कैसी होगी ? जो आपने बोया है क्या आप उससे 30, 60 और 100 गुना बढ़ कर पाना चाहेंगें ?

दृश्य सामग्रियां

जीवन एक टेप रिकार्डर की तरह है। जिन बातों को आप देखते और सुनते हैं वे वहीं हैं जो आपके जीवन से होकर आती हैं।
बच्चों की आवाजों को टेप या अपने फोन से रिकार्ड कर लें और फिर उन्हें सुनने के लिए चला दें। बच्चों को बता दें कि हम सब इस आवाज की तरह हैं, और हम सबको सचेत रहना चाहिए कि हम क्या सुनते और किन्हें अपने जीवनों में आने देते हैं।

प्रश्न

इस दृष्टान्त में भूमि किसको प्रस्तुत करती है ? *(हृदय)*

वो एक क्या बात है, जो आपके जीवन की उपलब्धियों पर रोक लगा सकती है ? *(जीवन और धन के विषय की चिन्ताऐं।)*

जो भी समय और धन आप प्रभु के लिए देते हैं उससे भी बढ़कर आपको क्या करने की आवश्यकता है कि आपको 30, 60 और 100 गुना सफलता मिले? *(अपने हृदय का ध्यान कर, उसे अच्छी मिट्टी बनाये रखना।)*

अच्छी मिट्टी होने के लिए आपको सर्वप्रथम क्या करने की आवश्यकता है? *(वास्तव में बाइबल की शिक्षाओं को समझना)*

परमेश्वर के विषयों में प्रतियोगी होना क्या ही अच्छा है ? *(हॉ बाइबल आत्मिक बातों को विशेष बताती है। यह कहती है कि हम एक दौड़ में भागी हैं और यह हमें विजयी होने के लिए प्रोत्साहित करती है। 1 कुरि0 9:24–27)*

आपके हृदय की मिट्टी अच्छी बनाने की जिम्मेदारी किसकी है ? *(आपकी)*

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

उत्तर

उन्नत

गुप्त संदेश

मैं						
अ	प	ने				
दि	ल					
का						

मैं | अ प ने | दि ल | का

ध या न | र खूं गां | ता कि

प र मे श व र का | बी ज

मु झ में | ब ढ़ | स के

शब्द ढूंढ़ों

कि	सा	न	ब	ग	पौ	धों	अ	इ	द	उ	प	ए
ग	ब	अ	बो	ना	इ	अ	द	सु	उ	ए	छी	क
म	त	भू	त	ज	फ	व	च	न	ि	ह	ी	र
कां	ल	मि	न	प	स	म	झ	ना	र	ा	स	म
टों	व	च	क	फ	ल	त	ज	ल	न	सू	प	व
ह	छ	म	ि	घु	ट	इ	द	उ	ए	र	च	मा
अ	च्छा	ी	दि	ल	उ	ब	क	ि	बी	ज	ब	र्ग
र	ा	ब	अ	इ	द	ढ़ी	ह	ी	र	ा	स	य

→ ❖ आ

याद करो : (सरल, मध्यम, कठिन **)**

जो अच्छी भूमि में बोया गया, यह वह है, जो वचन को सुनकर समझता है, और फल लाता है।

मत्ती 13:23

कठिन

गुप्त संदेश

मैं | अ प ने

दि ल | का | ध या न

र खूं गा

शब्द ढूंढ़ों

ब	द	उ	ि	ह	ी	बी
अ	इ	ए	क	सु	र	ज
कां	टों	ा	स	न	र	ड़
म	त	न	बो	ना	ि	क
ज	ल	प	र	ा	ह	ध
मा	र्ग	व	ी	ग	ए	ण
ब	अ	स	इ	द	उ	ए

मध्यम

शब्द ढूंढ़ों

ब	द	उ	ि	ह	ी	बी
अ	इ	ए	क	सु	र	ज
कां	टों	ा	स	न	र	ड़
म	त	न	बो	ना	ि	क
ज	ल	प	र	ा	ह	ध
मा	र्ग	व	ी	ग	ए	ण
ब	अ	स	इ	द	उ	ए

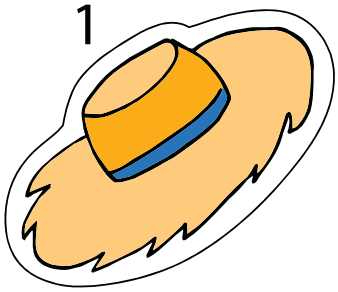

सरल

1

विद्यार्थियों को इस हफ्ते के स्टीकर काट कर अपने अध्ययन पाठ पर लगाने दें जहाँ बिन्दुओं से रेखा खीची गई है। उसके बाद उनसे उस पूरे पन्ने में रंग भरवाएँ।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

खेल

आवश्यक सामग्रियां

बाइबल, बड़े तौलिये, गेंदें

खेल का निर्देशन करें

1. बच्चों को पाँच–पाँच के समूह में बाँट दें। प्रत्येक समूह को एक तौलिया और गेंद दे दें।
2. प्रत्येक समूह से चार छात्र लें, जो एक तौलिया के चार कोने पकड़ें, समूह का एक अन्य सदस्य विपरीत दिशा से गेंद को तौलिया पकड़े छात्रों की ओर फेंकेगा। यदि तौलिया पकड़े हुए छात्र गेंद तौलिया में लपक लें तो गेंद फेंकने वाले छात्र अपने स्थान को तौलिया पकड़े छात्र से बदल ले और फिर वो छात्र जो पहले तौलिया पकड़े हुए था अब गेंद फेंके, जिससे दूसरी तरफ खड़े छात्र गेंद को तौलिया में लपक लें।
3. बच्चे गेंद फेंकने और गेंद लपकने के मध्य अपने स्थान को बदलते रहें और गिनते रहें कि किस समूह ने गेंद तौलिया में कितनी बार लपकी है। जब भी कोई समूह गेंद लपकता है, वो ''अच्छे बीज'' का एक अक्षर कमा लेता है। जो भी समूह पहले 9 बार गेंद लपक लेगा (वाक्य ''अच्छे बीज'' को पूरा करेगा) वो चिल्लाये ''अब'' हो गया।

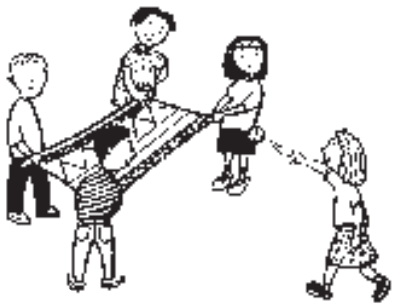

विकल्प

1. यदि सम्भव हो तो बाहर खुले में खेलें।
2. बच्चे की आयु अनुसार गेंद फेंकने की दूरी बदल दें।
3. जिस समूह में पॉच से अधिक बच्चें हों वे गेंद फेंकने वाले बच्चे के पीछे लाईन लगाकर अपनी बारी आने पर गेंद फेंकें।

जंगली पौधे

बाइबल पद्यांश: मत्ती 13:24-30

याद करो : *मनुष्य का पुत्र अपने स्वर्गदूतों को भेजेगा, और वे उसके राज्य में से सब ठोकर के कारणों को और कुकर्म करनेवालों को इकट्ठा करेंगे। उस समय धर्मी अपने पिता के राज्य में सूर्य की नाई चमकेंगे। मत्ती 13:41, 43*

पढ़ने का गृह कार्य: कठिन - मत्ती 4
उन्नत - मत्ती 4-6

मुख्य पाठ

यीशु स्वयं इसी अध्याय में आगे जंगली पौधों का दृष्टान्त एक अच्छे तरीके से समझा देते हैं। वह बताते हैं कि इस दृष्टान्त में सब लोग उपस्थित है। (मत्ती 13:37–39)

यह दृष्टान्त हमें यह याद दिलाता है कि संसार में बुरे लोग हैं, आप और मैं, सदैव अपने चारों ओर बुरी चीजों को होते हुए देखते हैं। हम अन्य बच्चों को परीक्षा के समय स्कूल में नकल करते देखते हैं, हम दोस्तों को कलीसिया या चर्च तक में झूठ बोलते हुए देखते हैं, और हम कुछ लोगों को वो सब पाने के लिए (जो उन्हें चाहिये) अन्यों को निरन्तर धकेलते हुए देखते हैं, और जबकि लोग गलत करते जा रहे हैं और न तो, वे पकड़े जाते और न ही दण्ड पाते है, ऐसा देखने में बहुत ही परेशानी होती है। इस दृष्टान्त में सबसे अच्छी खबर यह है, कि परमेश्वर इन सब के ऊपर अधिकारी है, और वो सब कुछ देख रहा है। वो बच्चा जो परीक्षा में नकल करता और बिना पकड़े किसी दण्ड को नही पाता, तो वो सदैव के लिए यह सब करने हेतु नही छूट गया। यीशु हमें दिखाते हैं कि वो सब को अच्छा और बुरा करने का अवसर एक साथ देता है, और बुरा करने के लिए ताड़ना (दण्ड) बाद में आती है। इसलिए हम धैर्य रखें, क्योंकि प्रभु सब कुछ देख रहा है, और वह हमारे कार्यों के अनुसार हमें प्रतिफल देगा। परमेश्वर अच्छे से जानता है कि आप गेंहू की बाली हैं या खरपतवार।

दृश्य सामग्रियां

गुब्बारे को उड़ाने वाली गैस से भरकर एक धागे से बांध लें। गुब्बारे को एक नाम दें। एक कमरे में उसे छोड़ दें और छत तक जाने दें, उदाहरण के लिए बच्चों से कहें कि ''अमित'' भाग गया। बच्चों को बताऐं कि हम सभी कभी–कभी कुछ न कुछ गलत करते हैं, जैसे यह गुब्बारा, परन्तु प्रभु हमें अपनी ओर खींचता है।(गुब्बारे के धागे को खींचे), फिर दोबारा गुब्बारे को छोड़ दें और वहीं छोड़ दें। बच्चों से पूछें कि क्या परमेश्वर हमें छोड़ देगा ? इसका उत्तर है नही।

प्रश्न

किसी एक व्यक्ति का उदाहरण दें, जिसे आपने पिछले सप्ताह कुछ गलत करते देखा और वो पकड़ा भी नही गया। फिर किसी ऐसे व्यक्ति का उदाहरण दें जो गलती करते हुए पकड़े जाने के बाद भी दण्ड नही पाता। वो अपने किये का दण्ड कब पायेंगें ? *(दुनिया के अन्त में)* दुनिया का अन्त क्या है ? *(बाइबल हमें बताती है कि हम इस दुनिया में कुछ ही समय के लिए हैं और फिर यीशु दुनिया के अन्त में आयेगा और सब बातों का न्याय करेगा।)*

क्या दूसरों के पापों पर उंगली उठाना हमारा कार्य है ? *(नही, हमें दूसरों के पापों के साथ क्या करना है, यह तो प्रभु का काम है।)*

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

उत्तर

उन्नत

गुप्त संदेश

मुझे समझना है
कि केवल परमेश्वर ही
अच्छे और बुरे की भिन्नता
देख सकता है और वह अन्त
में न्याय स्थापित करेगा

⓪ प

याद करो : (सरल, मध्यम, कठिन)
मनुष्य का पुत्र अपने स्वर्गदूतों को भेजेगा, और वे उसके राज्य में से सब ठोकर के कारणों और कुकर्म करनेवालों को इकट्ठा करेंगे। मत्ती 13:41

ब	अ	इ	क	ड्डा	त	ज	ल	न	बी	ज
श	इ	द	ट	इ	द	उ	ए	बो	त	ज
त्रु	उ	ए	नी	ब	अ	खीं	च	ना	ल	न
ह	यी	क	ख	त्ते	क	ि	ह	ी	र	ा
ी	षु	ि	जं	ग	ली	क	पौ	धें	ए	अ
र	ा	म	त	सो	ल	न	प	ब	अ	च्छा
स्व	उ	खा	ड़	ना	ज	ब	ढ़	ना	इ	द
र्ग	ल	न	प	दा	सों	म	त	गे	हूँ	उ

कठिन

ब	अ	बी	ज	उ	अ	ए
क	ट	नी	इ	द	च	ण
क	ब	ी	ख	य	छा	गे
ि	ढ़	र	त्ते	म	ज	हूँ
ह	ना	ा	स	त	ल	न
जं	ग	ली		पौ	धें	स्व
क	ि	ह	ी	र	ा	र्ग

गुप्त संदेश

केवल परमेश्वर
ही अच्छे
और बुरे की
भिन्नता देख
सकत है

मध्यम

ब	अ	बी	ज	उ	अ	ए
क	ट	नी	इ	द	च	ण
क	ब	ी	ख	य	छा	गे
ि	ढ़	र	त्ते	म	ज	हूँ
ह	ना	ा	स	त	ल	न
जं	ग	ली		पौ	धें	स्व
क	ि	ह	ी	र	ा	र्ग

सरल

विद्यार्थियों को इस हफ्ते के स्टीकर काट कर अपने अध्ययन पाठ पर लगाने दें जहाँ बिन्दुओं से रेखा खीची गई है। उसके बाद उनसे उस पूरे पन्ने में रंग भरवाएँ।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

राई का दाना

बाइबल पद्यांश: मत्ती 13:31-32

याद करो : *स्वर्ग का राज्य राई के एक दाने के समान है; वह सब बीजों से छोटा तो है पर जब बढ़ जाता है तब सब साग पात से बड़ा होता है; और ऐसा पेड़ हो जाता है। मत्ती 13:31ब–32अ*

पढ़ने का गृह कार्य: कठिन- मत्ती 5
उन्नत - मत्ती 7-9

मुख्य पाठ

इस दृष्टान्त में यीशु ने परमेश्वर के राज्य की तुलना एक बहुत ही छोटे बीज से की है। जो इतना विराट हो, उसकी तुलना इतनी छोटी वस्तु से की जा सकती है ? जब यीशु का जन्म हुआ, तो लोग मसीहा के आगमन की बाट एक महान राजा के रुप में जोह रहे थे। जो घोड़े पर सवार होकर बहुत से नौकरों के साथ आयेगा। उन्होनें सोचा कि मसीह आकर उनके देश को अपने अधिकार में कर लेगा। इसकी बजाय वह तो एक दिन शिशु के रुप में आ गया। उसका जन्म अच्छे अस्पताल या एक अच्छे कीमती महल में होने की अपेक्षा जानवरों के चारा खाने के स्थान (चरनी) में ही हुआ। जब चेलों ने यीशु के पीछे चलना आरम्भ किया होगा, तो अवश्य सोचा होगा कि बहुत से चेले होगें, परन्तु केवल 12 चेले थे, जिन्होनें गरीबी में अपना जीवन बिताया। आपका चर्च आपके शहर और कस्बे से कितना बड़ा है ? कभी तुलना की?

बहुत से स्थानों पर, मसीही कलीसियाऐं बहुत छोटे समूह में कुछ लोगों के साथ आरम्भ होती है, जहॉ कुछ लोग सार्वजनिक रुप से कहते हैं कि वे ''मसीह'' हैं, जो एक सच्चे परमेश्वर को मानते हैं।

आपकी कलीसिया की संख्या आपको निराश न करे, आपकी कलीसिया भी यीशु मसीह की देह का भाग है (जिसमें विश्व की सारी कलीसियाऐं भागी हैं)। यह बढ़ती जायेंगीं, फिर एक दिन विशाल वृक्ष बन जायेगा और सब देखेंगें कि यीशु मसीह ही सिर्फ मार्ग, सत्य और जीवन है। यहॉ तक कि, वे जो आपके स्कूल में जो विश्वास नही करते हैं, एक दिन वे भी परमेश्वर के राज्य के सत्य को देखेंगे। अभी वे देख नही सकते, क्योंकि प्रभु ने इसे बहुत ही सूक्ष्म रुप से आरम्भ करने का निर्णय लिया है, जैसे राई का दाना। परन्तु एक दिन आपके प्रत्येक शहर, कस्बे और राज्य व देश और सारे स्कूल के बच्चे देखेंगे कि यीशु ही प्रभु है।

दृश्य सामग्रियां

एक कैमरा और कुछ पारिवारिक फोटो लें। जबकि आप परिवार के बारे में बात कर रहें हैं, उसी समय बच्चों को (छपी या कैमरे से उतरी) फोटो दिखाएं कि फोटो कितनी अच्छी लग रही हैं। उनसे पूछें कि हम किन वस्तुओं की तस्वीरें ले सकते हैं ? और किनकी तस्वीरें नही ले सकते ? (जैसे वायु, परमेश्वर, प्रेम इत्यादि)। अपने छात्रों को बतायें कि बहुत सी वस्तुऐं होती तो हैं, जिन्हें हम देख नही सकते हैं, परन्तु वे बहुत विशेष होती हैं।

प्रश्न

इस्राएली लोग क्या सोचते थे कि मसीह कैसे आयेगा ? *(एक महान राजा के रुप में जिसके बहुत सेवक होगें)*। अपने समय के एक महान राजा के रुप में, बहुत से शोर–गुल, झांकियों और तुरहियों के साथ उत्सव करते हुए आयेगा।

इस दृष्टान्त में राई का दाना किस को प्रस्तुत करता है ? *(स्वर्ग के राज्य को)*

परमेश्वर का राज्य क्या है ? *(यह तो स्वयं परमेश्वर के साथ का आत्मिक संसार है और सारी दुनिया के मसीह उसके नागरिक हैं)*

आपके स्कूल में कितने मसीही हैं ? और आपके स्कूल में कुल कितने बच्चे हैं ? अन्त में कितने देखेंगें कि यीशु मसीह प्रभु है ? *(प्रत्येक)*

खेल

आवश्यक सामग्रियां

बड़े कागज, मार्कर, सिक्के, कागज–पेन्सिल।

खेल का निर्देशन करें

1. बच्चों को 3 से 4 के समूह में बाँट दें। समूह को कागज के चारों ओर एक–एक मीटर की दूरी पर बैठा दें। प्रत्येक समूह को एक सिक्का, एक कागज और एक पेन्सिल दे दें।
2. अपने दिमाग में 30 से ऊपर के एक अंक को चुन लें। एक बार में एक बच्चा इस कागज पर सिक्का फेंके। प्रत्येक फेंका गया सिक्का अंक प्राप्त करेगा, लेकिन अंक इस पर आधारित होगा कि सिक्का वृक्ष पर आधारित होगा। प्रत्येक समूह से एक बच्चा अपने प्राप्त अंको का लेखा रखे और प्रत्येक अंक प्राप्ति पर कुल अंको को जोर से कहे।
3. बच्चों को कह दें कि वे खेल रोक दें। जब वह उस अंक पर पहुंच जायें जो आपने अपने मन में सोचा था । आप अपने द्वारा चुने अंक को उन्हें बता दें, और उस अंक के सबसे नजदीक पहुचने वाला समूह विजेता होगा। विजयी समूह का खिलाड़ी अन्य लोगों को बताएगा कि किस प्रकार प्रभु का राज्य उन सब बातों से भिन्न है, जिन्हें हम सोचते हैं। जब तक समय हो खेल को खेलें, प्रत्येक बार भिन्न अंक को अपने मन में चुने।

विकल्प

1. अब उन्हें सिक्को की जगह भारी कागज के टुकड़ों को फेंकने के लिए दें।
2. बड़े बच्चों के लिए, संख्याओं के स्थान पर एक वाक्य के अक्षरों को लिखें जैसे ''राई का दाना'' जिसे वृक्ष के प्रत्येक भाग में लिखें। जो पहला समूह वृक्ष के प्रत्येक भाग में एक सिक्का पहुँचा देगा वो अन्यों को बताएगा कि किस प्रकार परमेश्वर हमें अपनी महानता दिखाता है।
3. छोटे बच्चों के लिए, एक वैसा ही वृक्ष बनाएं, और छोटे अंको का प्रयोग करें। 10–20 तक के किसी अंक को चुने।

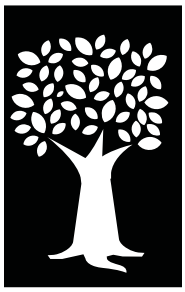

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

उत्तर

उन्नत
गुप्त संदेश

मु झे या द क र ना है
कि पे र म श व र के
सा थ छो टे ची ज
भी ब डे हो ते हैं

➡ ⇦ क

याद करो : (सरल, मध्यम, कठिन)

स्वर्ग का राज्य राई के एक दाने के समान है, वह सब बीजों से छोटा तो है पर जब बढ़ जाता है तब सब साग पात से बड़ा होता है।

मत्ती 13:31ब–32अ

भूलभुलैया

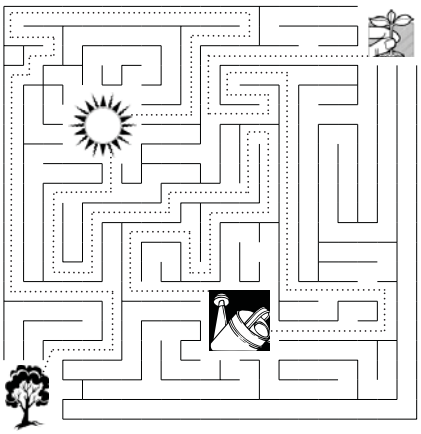

कठिन
गुप्त संदेश

प र मे श व र के
सा थ छो टे ची ज
भी ब ड़े हो ते हैं

भूलभुलैया

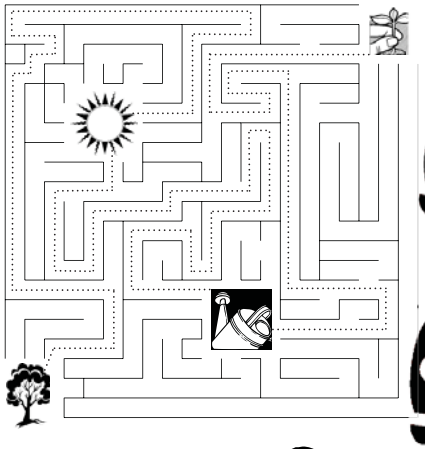

मध्यम
भूलभुलैया

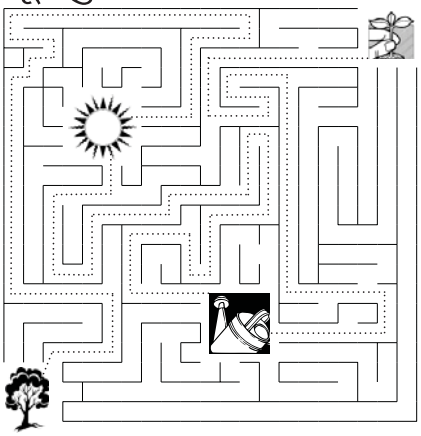

सरल

3

विद्यार्थियों को इस हफ्ते के स्टीकर काट कर अपने अध्ययन पाठ पर लगाने दें जहाँ बिन्दुओं से रेखा खीची गई है। उसके बाद उनसे उस पूरे पन्ने में रंग भरवाएँ।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

खमीर

बाइबल पद्यांश: मत्ती 13:33-35

याद करो : *स्वर्ग का राज्य खमीर के समान है जिस को किसी स्त्री ने लेकर तीन पसेरी आटे में मिला दिया और होते होते वह सब खमीर हो गया। मत्ती 13:33ब*

पढ़ने का गृह कार्य: कठिन - मत्ती 6
उन्नत - मत्ती 10-12

मुख्य पाठ

खमीर एक बहुत छोटे से बीज के समान है, लेकिन इसे आटे में थोड़ा सा ही मिलाने भर से स्वादिष्ट रोटी बना सकते हैं। यह हम में परमेश्वर के वचन को प्रस्तुत करता है। यह हम में बहुत ही सूक्ष्म रुप से आरम्भ होता है, और यदि हम इसे स्वयं में जगह दें, तो ये बढ़ता और हमारे जीवन में भर जाता है। खमीर आटे में स्वंय बढ़ने के लिए कार्यशील होता और एक अच्छी रोटी को बना देता है। परमेश्वर का राज्य भी हमारे भीतर हृदय में कार्य करना आरम्भ करता है। यह कुछ ऐसा है कि आप बाहर प्रयोग नही कर सकते, जैसे कि वस्त्र, चित्र या किसी भी वस्तु की आकृति। परमेश्वर का राज्य आपके भीतर है और वह आपके भीतर विस्तार पाएगा, जबकि आप परमेश्वर को स्वयं में कार्यशील होने दें।

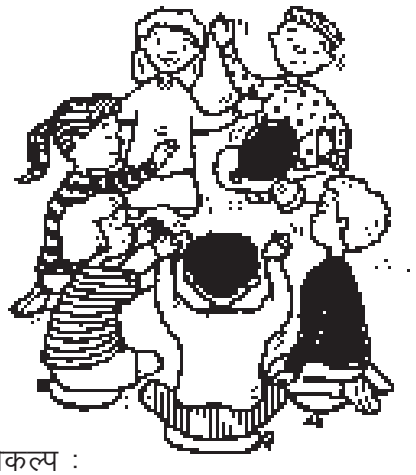

दृश्य सामग्रियां

एक जूस के पॉउडर (जैसे रसना) के पैकट को खमीर स्वरुप प्रयोग करें और एक बड़े पात्र में पानी लें जो आँटे को प्रस्तुत करे। फिर इसे मिला लें, जिससे बच्चे आसानी से समझ सकेगें कि किस तरह थोड़े से जूस पॉउडर से पानी एक रंगीन जूस में बदल जाता है।

प्रश्न

परमेश्वर से परिपूर्ण (भरे) जीवन को कौन चाहता है ? (उन्हें सोच कर उत्तर देने का समय दें।)
इसे किस प्रकार पूरा किया जा सकता है ? *(अपने जीवन में परमेश्वर की छोटी –छोटी बातों को आने दें, जिससे ये बड़े आकार को ले लें।)*
वे बातें जो यीशु ने दृष्टान्तों द्वारा समझाई, कब से छिपी थीं ? *(दुनिया के आरम्भ से)*

आपके छात्रों को यह परवाह नहीं होगी कि आप क्या जानते हैं जब तक कि उन्हें यह न लगे कि आप उनकी परवाह करते हैं

अतिरिक्त विचार

आप एक सफेद सिरके से भरा पारदर्शी ग्लास भी प्रयोग कर सकते हैं। एक पर्ची पर ''खमीर'' लिखकर उस ग्लास पर चिपका दें। एक अन्य साफ पात्र में खाने का सोडा डालें और उस पर लिख दें ''आटा''। ध्यान रहें कि बच्चों को उन वस्तुओं की जानकारी न हो। (जिससे उनकी रुचि व उत्साह कम न हो) फिर देखें कि क्या होता है ? ''आपके छात्र इस बात की परवाह नही करते कि आप कितना कुछ जानते हैं, जब तक कि वह यह नही जान लेते कि आप उसके विषय में गम्भीर हैं।''

खेल

आवश्यक सामग्रियां

बड़े गुब्बारे (कम से कम प्रत्येक बच्चे के लिए दो–दो गुब्बारे)

खेल का निर्देशन करें

1. प्रत्येक बच्चे को एक गुब्बारा दें, कि वो उसे थोड़ा फुला के गाँठ बांध दें। प्रत्येक समूह में अधिक से अधिक 6 बच्चे एक गोले के आकार में बैठे। उन्हे थोड़े कम फूले गुब्बारे पर बैठने को कहे, जबकि आप ने प्रत्येक समूह को एक अतिरिक्त गुब्बारा दिया हैं (जिसमें अच्छे से हवा भरी और गाँठ लगाई गई है)
2. प्रत्येक समूह में बैठे बच्चे गेंद को तेजी से अपने चक्र में 10 बार घुमायें, याद रहें कि यह करते समय उनके नीचे रखा गुब्बारा नही फूटना चाहिए। यदि गुब्बारा जमीन पर लग जाये या एक गुब्बारा फूट जाए, तो आवश्यकतानुसार उन्हें नया गुब्बारा दें और दोबारा से शुरु करें।
3. बहुत बार खेले जाने के बाद सभी समूह देखें कि कौन सा समूह अधिक समय तक गुब्बारे को हवा में रख पाया है ? जो समूह जीतेगा, उसे ''दृष्टान्त'' शब्द का एक अक्षर दिया जायेगा। इसे जब तक खेलें जब तक एक समूह ''दृष्टान्त'' के सभी अक्षरों को न पा ले या आप का समय समाप्त न हो जाए।

विकल्प :

1. गुब्बारों पर बैठे बिना खेलें।
2. खेल को और कठिन बनाने के लिए, प्रत्येक समूह को एक और गुब्बारा हवा में उछालते रहने को कहें। बच्चे खेल खेलते समय बाइबल के पद के शब्दों को भी कह सकते हैं। फिर अपने हाथों के प्रयोग के बदले वे अपने सिर, कोहनी और पाँव आदि का प्रयोग कर सकते हैं।
3. जमीन पर एक रेखा खीचें और वॉलीबाल जैसे खेल खेलें। दो समूह रेखा के एक इधर और एक उधर, और वॉलीबाल के नियमानुसार खेलें।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

उत्तर

उन्नत

गुप्त संदेश

➔ ■ ह

मु	झे		स	म	झ	ना		है

कि		प	र	मे	श्व	र	के		रा	ज्य

में		बूं	द		बूं	द		से		घ	ड़ा

भ	र	ता		है

याद करो : (सरल, मध्यम, कठिन **)**
स्वर्ग का राज्य खमीर के समान है जिस को किसी स्त्री ने लेकर तीन पसेरी आटे में मिला दिया और होते होते वह सब खमीर हो गया। मत्ती 13:33ब

शब्द ढूंढ़ों

ब	अ	इ	द	उ	भ	वि	ष्य	व	क्त	ता
रा	ज	य	क	ि	ह	यी	षु	ी	र	ा
क	ि	ह	ी	र	आ	ब	अ	इ	मि	ब
ज	स्व	व	र्ग	म	टा	द	उ	ए	श्रि	अ
ल	त्री	न	प	व	च	दृ	श	टां	त	इ
भी	ब	द	आ	उ	ए	ण	क	ि	ह	द
ड	अ	इ	टा	र	ा	ग	ख	सु	शि	ट
अ	छु	पा	ि	ह	ी	ए	मी	ा	म	त
इ	द	प	र	मे	श	व	र	मुं	ह	ज
ब	उ	ए	ण	म	त	ज	ल	न	प	ल

कठिन

गुप्त संदेश

बूं	द		बूं	द

से		घ	ड़ा

भ	र	ता		है

शब्द ढूंढ़ों

ब	स	त्री	ब	अ	आ	टा
अ	व	इ	द	उ	ए	ण
इ	र्ग	क	ि	ह	ी	दृ
द	ण	र	ा	स	य	ष्ठ
उ	क	रा	ज	य	व	टां
ए	ि	ह	ी	र	ा	त
लो	ई	त	ज	ल	न	प

मध्यम

शब्द ढूंढ़ों

ब	स	त्री	ब	अ	आ	टा
अ	व	इ	द	उ	ए	ण
इ	र्ग	क	ि	ह	ी	दृ
द	ण	र	ा	स	य	ष्ठ
उ	क	रा	ज	य	व	टां
ए	ि	ह	ी	र	ा	त
आ	टा	त	ज	ल	न	प

सरल

4

विद्यार्थियों को इस हफ्ते के स्टीकर काट कर अपने अध्ययन पाठ पर लगाने दें जहाँ बिन्दुओं से रेखा खीची गई है। उसके बाद उनसे उस पूरे पन्ने में रंग भरवाएँ।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

गुप्त खज़ाना और मोती

बाइबल पद्यांश: मत्ती 13:44-46

याद करो : *फिर स्वर्ग का राज्य एक व्योपारी के समान है जो अच्छे मोतियों की खोज में था। जब उसे एक बहुमूल्य मोती मिला तो उस ने जाकर अपना सब कुछ बेच डाला और उसे मोल ले लिया। मत्ती 13:45–46*

पढ़ने का गृह कार्य: कठिन - मत्ती 7
उन्नत - मत्ती 13-14

मुख्य पाठ

ये दोनों कहानियां उन मनुष्यों के विषय चर्चा करती हैं, जिन्होनें कुछ बहुमूल्य वस्तु पा ली थीं। वह व्यक्ति जिसे यह धन मिला उसने उस भूमि में कीमत को पहचाना, जो अन्यों ने नही देखा था। वह उस वस्तु के लिए जिसकी कीमत उसकी (धन–संपत्ति) के कुल मूल्य से भी अधिक थी, अपना सब कुछ बेचने को तैयार था। एक अन्य व्यक्ति ने एक अत्याधिक मूल्य का मोती पा लिया और उसे पता था कि उसका जीवन उस बहुमूल्य मोती के साथ किसी भी अन्य वस्तु से बेहतर होगा। यह हमें स्वर्गीय राज्य के महान मूल्य को दिखाता है।

परमेश्वर के राज्य में आपने और मैनें पृथ्वी में पाए जाने वाले किसी भी खजाने से बढ़कर महान खजाना पा लिया है। जिसे प्राप्त करने के लिए हमें सबकुछ खो देने के लिए तैयार रहने की आवश्यकता है। एक बहुत ही ज्ञानी जिम ईलियट, लिखते हैं कि ''वह कोई नासमझ व्यक्ति नही जो उस वस्तु को जिसे वह रख नही सकता उसे खो कर, उस वस्तु को प्राप्त कर ले जिसे वह कभी खो नही सकता। ''समस्या है कि हर जगह हम लोगों को वह सब करते हुए देखते हैं, जो उन्हें भौतिक वस्तुओं को प्राप्त करा सके, जोकि एक समय खो जानी हैं, वे अनन्त जीवन पाने की रुचि नही रखते। संसार हमेशा ही उसके विपरीत बातों को देखता (चाहता) है, जिन्हें हमने आज के दृष्टान्त में सीखा। उस बात पर विश्वास करना बहुत ही कठिन होता है, जब आपके आस–पास के सभी लोग उस पर विश्वास नही करते। इसी कारण आपको इसे गुप्त खजाना करके देखना चाहिए। आपके आस–पास कोई नही देखता। लेकिन परमेश्वर हमें स्मरण दिलाता है कि हमें सबकुछ बेचकर, स्वर्ग के राज्य को प्राप्त करना उचित है।

दृश्य सामग्रियां

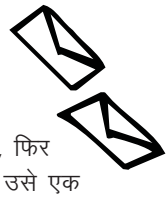

पत्र या ई–मेल – बच्चों से पूछें कि आप में से कितनों ने ई–मेल या पत्र प्राप्त किया या इन्टरनेट पर अपने मित्रों से बात की है ? उनसे कहें कि प्रभु से एक ई–मेल प्राप्त करना कितना अद्भुत होगा। बच्चों को बतायें कि तुम्हारे पास भी परमेश्वर से पत्र आया है। उनके लिए बाइबल में से कुछ पढ़ दें। (कुछ भी पढ़ दें), फिर उन्हें बतायें कि बाइबल परमेश्वर की ओर से हमें लिखा गया एक पत्र है, और हम उसे एक खजाने के रुप में प्राप्त कर सकते हैं।

प्रश्न

जो भी कुछ आपके पास है उस सब को खो देना क्यों उचित है ? *(क्योंकि कुछ भी हो अन्त में आप सब कुछ खो देगें।)* सब कुछ खोते हुए परमेश्वर के राज्य को पा लेना क्यों समझदारी की बात है ? *(क्योंकि इसकी कीमत सबसे बढ़कर है, और इसे हमसे कोई छीन नही सकता।)* वह कौन सी दो विपरीत बातें हैं, जो बाइबल हमें दिखाती है ? *(परमेश्वर का राज्य और संसार की समझ।)*

खेल

आवश्यक सामग्रियां

बाइबल, छोटे सिक्के, प्लास्टिक की थैलियां।

खेल की तैयारी

खेल के स्थान पर कम से कम दो सिक्के छिपा दें।

खेल का निर्देशन करें

बच्चों को दो–दो के समूह में बॉट दें। उन्हें एक गुप्त शब्द चुनने दें दें, जिसे वे स्वयं के लिए ही प्रयोग करें (तीन बार तालियां बजाना, विशेष शब्द को पुकारना, सीटी बजाना या फिर चिल्लाना इत्यादि।) दो में से एक खजाना खोजता है, और दूसरा दीवार के साथ थैली लेकर प्रतीक्षा करता है। जब शिक्षक कहता है शुरू करा, तो पहला बच्चा खोजना आरम्भ करता है, जब उसे सिक्का मिल जाता है, तो वह उसे ले नही सकता, परन्तु वहे गुप्त शब्द की सहायता से अपने दूसरे साथी को बुलाता है, जब दूसरा बच्चा आ कर सिक्के को खोज लेता है तब वह उसे प्लास्टिक में डाल देता है। खेल को तब तक जारी रखें जब तक प्रत्येक छात्र को एक–एक सिक्का न मिल जाए। फिर खेल को दोबारा आरम्भ करे, जब बच्चे एक दूसरे के कार्य को बदल लें।

विकल्प

1. बच्चों को सिक्के गिनने दें, जिससे वह जान सकें कि कौन विजेता है। विजयी समूह को बुलाकर पद पढ़ने या अध्याय से कुछ पढ़ने को कहें।
2. असली सिक्कों के स्थान पर चॉकलेट के सिक्कों का प्रयोग करें।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

उत्तर

बच्चों के साथ काम करने का अनंत मूल्य है

बच्चों को परमेश्वर के मार्ग में चलने के लिये प्रशिक्षित करने की जिम्मेदारी हमारी है

उन्नत

गुप्त संदेश

| मु | झे | | स | म | झ | ना | | है |

→ ■ द

| कि | | म | सी | ह | | के |

| लि | ए | | स | ब | | कु | छ | | छो | ड़ | ना |

| फा | य | दे | म | न्द | | है |

याद करो : (सरल, मध्यम, कठिन)

जब उसे एक बहुमूल्य मोती मिला तो उस ने जाकर अपना सब कुछ बेच डाला और उसे मोल ले लिया।। मत्ती 13:46

गुप्त शब्द

कठिन

गुप्त संदेश

| म | सी | ह | | के |

| लि | ए | | स | ब |

| कु | छ | | छो | ड़ | ना |

| फा | य | दे | म | न्द | | है |

गुप्त शब्द

मध्यम

गुप्त शब्द

सरल

5

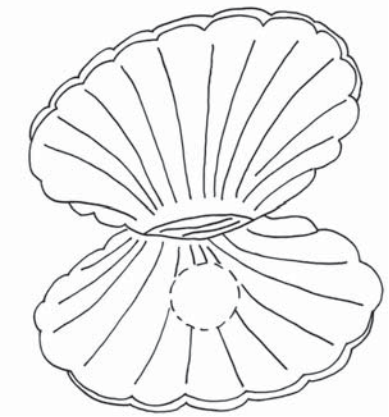

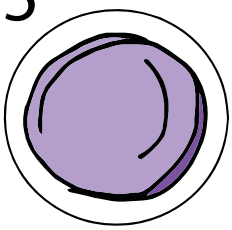

विद्यार्थियों को इस हफ्ते के स्टीकर काट कर अपने अध्ययन पाठ पर लगाने दें जहाँ बिन्दुओं से रेखा खीची गई है। उसके बाद उनसे उस पूरे पन्ने में रंग भरवाएँ।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

खेल

आवश्यक सामग्रियां

कैंची, धागा, नापने के लिए कुछ

खेल की तैयारी

धागे अलग–अलग लम्बाई में काट लें, जोकि 20 से 100 से0मी0 के हों, और एक बच्चे के लिए कम से कम 3 धागे लें। अब उन धागों को कक्षा या खेल के स्थान पर छिपा दें।

खेल का निर्देशन करें

1. बच्चों को 3 या 4 के समूहों में बॉट दें।
2. जब शिक्षक कहे तभी बच्चे छिपें, धागों को खोजना आरम्भ कर दें। प्रत्येक समूह अपने खोजे हुए धागों को जोड़कर एक लम्बा धागा बनाये।
3. सब धागों को खोजकर जोड़ने के बाद नापें कि किस समूह का धागा सबसे लम्बा है।

विकल्प:

1. इस खेल को सम्भवतः बाहर अधिक से अधिक बड़े क्षेत्र में खेलें।
2. हर समूह के 1 से 2 बच्चे केवल धागे को बांधने के लिए रखें, जो धागे न खोजे, केवल धागे जोड़े, अन्य सिर्फ खोजें।
3. खेल के अंत में बच्चों को उनके लम्बे धागे द्वारा, पाठ में से किसी एक शब्द को बनाने के लिए कहें।

खोई हुई भेड़

बाइबल पद्यांश: मत्ती 18:10-14

याद करो : *ऐसा ही तुम्हारे पिता की जो स्वर्ग में है यह इच्छा नहीं, कि इन छोटों में से एक भी नाश हो। मत्ती 18:14*

पढ़ने का गृह कार्य: कठिन - मत्ती 8
उन्नत - मत्ती 15-16

मुख्य पाठ

हम इस दृष्टान्त में देखते हैं कि परमेश्वर के समक्ष प्रत्येक व्यक्ति का मूल्य है। हम में से प्रत्येक विशिष्ट है, इसी कारण यदि हम खोये हुए हैं, तो प्रभु सभी को छोड़ हमें ढूढंने आता है। परन्तु पद 10 और 14 भी उन्हें ''छोटा'' कहकर सम्बोधित करता है, और बहुत से कहते हैं कि ये बच्चों के लिए लिखा गया है। परमेश्वर बच्चों से बहुत अधिक प्रेम करता व उनके विषय चिन्ता भी करता है, इसीलिए हमें भी उन्हें मूल्यवान जानना है। यह आवश्यक है कि हम जानवरों को कम न आंकें। प्रभु ने अपने चेलों से जो प्रौढ़ (बड़े) थे, कहा कि छोटे बच्चों की तरह बनें। क्या आप विश्वास करते हैं कि यह परमेश्वर के लिए भी महत्वपूर्ण बात है, कि हम अन्यों जैसे छोटे या अपने से कम अच्छे व सुन्दर लोगों को कम या छोटा करके न सोचें ? यह भी महत्वपूर्ण है कि जो आत्मिक रुप से खोए हुए है, उनकी भी सुधि लें, जैसे कि वे लोग जो गलतियां करते है, जैसा कि प्रभु या अपने माता–पिता से बातें छिपाना, चर्च जाना छोड़ देना या फिर झूठ बोलना आरम्भ करना। हम प्रभु के लिए महत्वपूर्ण हैं, विशेषकर जब हम उससे दूर चले जाते हैं। हम सभी परमेश्वर के लिए विशिष्ट हैं।

दृश्य सामग्रियां

वर्ग पहेली (PUZZLE) – बच्चों से पूछिए कि क्या उन्हें वर्ग पहेली (PUZZLE) का खेल पसंद है ? उन्हें एक हल किया हुआ पहेली दिखाऐं, जिसमें एक हिस्सा गायब हो, लेकिन उस एक हिस्से को (कक्षा या उस स्थान पर कहीं छिपा दें), अब आप उनसे पूछिए कि क्या कोई भी हिस्सा अन्य हिस्सों से महत्वपूर्ण है ? (नही) उस खाली स्थान को किसी अन्य हिस्से से भर दीजिए। (यह तो अच्छा नही लगेगा), अब बच्चों से खोए हुए हिस्से को खोजने को कहिए। उन्हें अवश्य बतायें कि हम में से प्रत्येक परमेश्वर के समक्ष विशेष है।

प्रश्न

यदि आप परमेश्वर को छोड़ दें, तो वह क्या करेगा? *(वह जा कर आपको खोजेगा)*

परमेश्वर किनको विशिष्ट महत्व देता है ? *(छोटों को)*

आपके आस–पास जो लोग आपसे छोटे हैं, परमेश्वर के लिए कौन अधिक महत्वपूर्ण है ? *(प्रत्येक)*।

आप अपने छोटे भाई–बहनों की किस प्रकार सहायता कर सकते हैं ? *(उनका गृह कार्य (HW) कराके, उनके कपड़े बदल के, उन्हें सड़क पार करा के, उनके लिए खाना लाकर देने के द्वारा इत्यादि)* इस दृष्टान्त में लोगों को किसकी उपमा देकर प्रस्तुत किया गया है ? *(भेड़ की)*

आपकी कक्षा के किसी भी बच्चे को खोना मत।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

उत्तर

जासूस

परमेश्वर के राज्य की छान-बीन

उन्नत

गुप्त संदेश

मुझे याद करना है कि
मैं परमेश्वर के लिए
अत्यन्त महत्वपूर्ण हूं → य

याद करो : (सरल, मध्यम, कठिन)

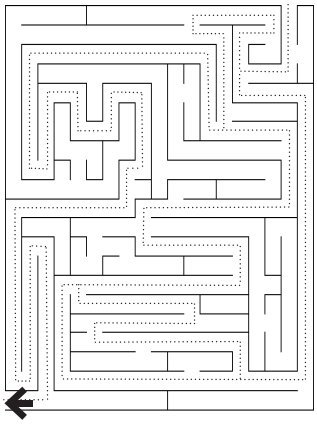

तुम्हारे पिता की जो स्वर्ग में है यह इच्छा नहीं, कि इन छोटों में से एक भी नाश हो। मत्ती 18:14

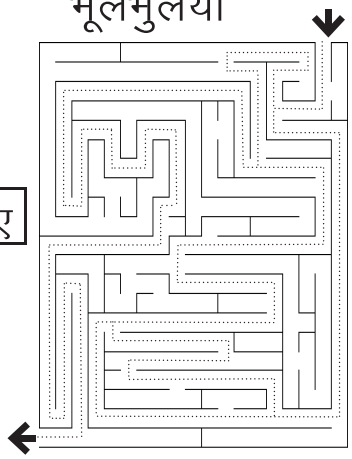

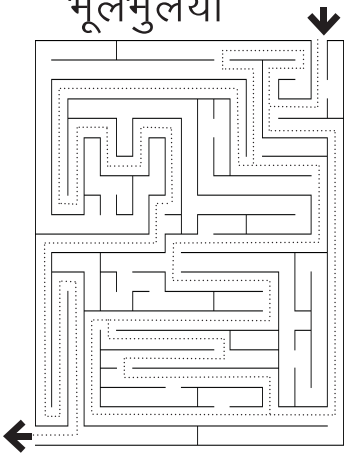

भूलभुलैया

कठिन

गुप्त संदेश

मैं परमेश्वर के लिए
अत्यन्त महत्वपूर्ण हूं

भूलभुलैया

मध्यम

भूलभुलैया

6

सरल

विद्यार्थियों को इस हफ्ते के स्टीकर काट कर अपने अध्ययन पाठ पर लगाने दें जहाँ बिन्दुओं से रेखा खीची गई है। उसके बाद उनसे उस पूरे पन्ने में रंग भरवाएँ।

निर्दयी सेवक

बाइबल पद्यांश: मत्ती *18:21-35*

याद करो : *तू ने जो मुझ से बिनती की, तो मैं ने तो तेरा वह पूरा कर्ज क्षमा किया। सो जैसा मैं ने तुझ पर दया की, वैसे ही क्या तुझे भी अपने संगी दास पर दया करना नहीं चाहिए था? मत्ती 18:32ब–33*

पढ़ने का गृह कार्य: कठिन - मत्ती 12
उन्नत - मत्ती 17-18

मुख्य पाठ

यह दृष्टान्त स्पष्ट रूप से हमें बताता है कि परमेश्वर माफी को कितना महत्व देते हैं। यीशु जो यहाँ बता रहे हैं कोई भी उसको इनकार नहीं कर सकता। उसने हमारे सारे पापों को माफ कर दिया, और वह हमारी तुलना उस मनुष्य से करता है जिस पर हजारों सोने के सिक्कों का कर्जा है। हमारे पापों के लिए हम मृत्यु और नरक के लायक हैं। लेकिन परमेश्वर ने अपनी बड़ी दया से हमें माफ कर दिया। और अब वह हमसे भी यही उम्मीद करता है कि हम भी जो हमारा अपमान करते हैं या हमें गाली देते हैं उन्हें माफ करें। कई बार जो हमारे खिलाफ पाप करता है वह हमें बड़ा लगता है, परन्तु परमेश्वर उसे 100 छोटे सिक्कों से उनकी तुलना करता है, जो कि एक बहुत छोटी रकम है। परमेश्वर हमें समझा रहे हैं कि जब हमारे आसपास के लोग हमारा अपमान करते हैं, चोरी करते हैं, हमें धोखा देते हैं, और गाली देते हैं, यह सब उन पापों की तुलना में कुछ भी नहीं है जो हमने परमेश्वर के खिलाफ किये है। वह हमसे चाहता है कि हम पूरी तरह माफ करें। दृष्टान्त के अंत में, वह जेल में दिये जाने वाले सजा की यातना की तुलना करता है, और कई लोग सोचते हैं कि यीशु नरक का जिक्र कर रहा है। क्या आप को लगता है कि परमेश्वर माफी के विषय को बहुत ही गंभीरता से लेते हैं? कैसी आश्चर्यजनक बात है कि मसीही होते हुए भी, हम बाहरी पापों पर इतना जोर देते हैं जैसे कि शराब पीना, नशा करना, धूम्रपान, या चर्च में कम उपस्थित होना, लेकिन पवित्रशास्त्र इन पापों पर ज्यादा जोर नहीं देता जितना कि वह माफ न करने को देता है। निश्चित रूप से, लोग हमारे साथ बुरा बर्ताव करेंगे, लेकिन परमेश्वर हम से यह चाहते हैं कि हम उन्हें माफ करें, जैसा उसने हमें माफ किया है।

दृश्य सामग्रियां

क्या आपके ऑखों में कभी कुछ गिरा है? शायद धूल के कण जब आप अपनी बाइक पर थे। जब आपके आंखों में कुछ गिर जाता है तो आपको अच्छा महसूस नहीं होता, सही है ना? आपको दर्द होता है, है ना? आप कैसा महसूस करेंगे जब आपकी ऑखों में साबुन लग जायें? क्या होगा जब कोई चीज़ आपकी आंखों में अटक जाएं? (एक बड़ी छड़ी को आप अपने पीठ के पीछे से खींचो।) बच्चों के साथ मत्ती 7:5 पढ़ें, जहाँ मसीह हमें अपने ही आंखों से लट्ठा हटाने को कहता है। उन्हें दोनों दृष्टान्तों के बीच की समानता को देखने में मदद करें।

प्रश्न

इस दृष्टान्त का महत्वपूर्ण विषय क्या है? *(माफी)*
दृष्टान्त के अनुसार, अगर हम माफ नहीं करेंगे तो क्या होगा? *(आत्मिक तौर से, हम यातना के लिये नर्क में डाल दिये जाएंगे!)*
जो हमें नाराज करते हैं उन्हें हमें कितनी बार माफ करना चाहिए? *(70 x 7 = 490। साथ ही, हम समझ सकते हैं कि यीशु का मतलब था कि हम बिना रुके माफ करना जारी रखें, सब को माफ करना जारी रखें।)*
जिन पापों को आप जानते हैं उनकी एक सूची बनाओ।
इन सभी पापों में से, यीशु सब दृष्टान्तों में किस पर अधिक जोर देकर कहता है ? *(माफी की कमी)*
यदि आप चाहें तो 13वें पाठ से दृष्टान्तों की सूची को देखें, और ध्यान केंद्रित करें कि दूसरे पापों पर इतना जोर नहीं दिया गया जितना कि इस में दिया गया है।

खेल

आवश्यक सामग्रियां

बाइबल, बच्चों के संगीत, कागज, मार्कर, कोई पुरानी घड़ी।

खेल की तैयारी

एक कागज या कार्ड पर ''माफ करना'', शब्द प्रिंट करें, प्रत्येक कार्ड पर एक अक्षर। हर 3–6 बच्चों के लिए कम से कम एक पैकेट कार्ड बनाओ। सारे कार्ड को मिलायें और उन्हें फर्श पर बड़े सर्कल में उनके मुँह का हिस्सा उलटा रखें।

खेल का निर्देशन करें

1. बच्चें 3 से 6 छात्रों की एक टीम बनाएं। प्रत्येक टीम को एक नाम या नंबर प्रदान करें। सारे टीमों के सभी सदस्यों को कार्ड के चारों ओर एक घेरे में लाना होगा।
2. जब आप संगीत चलाएंगे, बच्चें सर्कल के चारों ओर चलते रहेंगे। 15 से 20 सैकेंड के बाद संगीत को रोकें। जब संगीत बंद होगा, तब प्रत्येक बच्चा अपना निकटतम कार्ड लेगा और अपनी टीम के अन्य सदस्यों को ढूंढेगा। टीम के सदस्य अपने कार्ड को दूसरों के कार्ड से तुलना करेंगे जो उन्होंने उठाए हैं, ''माफ करना'' शब्द के आवश्यक अक्षर को अपने पास रखते हुए वापस अन्य कार्ड को सर्कल या घेरे में रख दीजिए। सर्कल में अन्य कार्ड को डालें ताकि हमेशा हर एक बच्चे के लिए कम से कम एक कार्ड हो।
3. एक टीम, जब ''माफ करना'' शब्द वाले सारे पैकेटों को इकट्ठा करें तो वह जीतेगी, या जब टीम कार्ड को बटोरते हैं तब आप खेल बंद कर सकते हैं, लेकिन बाद में पाठ से संबंधित सवाल पूछें ताकि जान सके कि कौन सी टीम विजेता है। समय के अनुसार खेल को दोहराएँ।

विकल्प:

1. छात्र कक्षा में कार्ड तैयार करें।
2. अगर आपके कक्षा में छह से कम छात्र हैं, तो बच्चे जोड़े बनाए नहीं तो व्यक्तिगत रूप से खेलें।
3. बड़े बच्चों के लिए, उन अक्षरों को भी जोड़ें जो ''माफ करना'' शब्द में नहीं आता (जैसे कि ई, स, उ, आदि)

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

उत्तर

उन्नत

गुप्त संदेश

➡ ⇨ म

| मु | झे | | या | द | | क | र | ना | | है |

| कि | | मु | झे | | दि | ल | | से | | मा | फ |

| क | र | ना | | चा | हि | ए |

राजा के सामने घुटने टेककर नौकर ने क्या कहा?

हे
अहेब

स्वामी
रस्वामीए

धीरज धर
पधीरजम जधरल

कठिन

गुप्त संदेश

मु झे दि ल

से मा फ

क र ना चा हि ए

याद करो : (सरल, मध्यम, कठिन)

जैसा मैं ने तुझ पर दया की, वैसे ही क्या तुझे भी अपने संगी दास पर दया करना नहीं चाहिए था? मत्ती 18:33

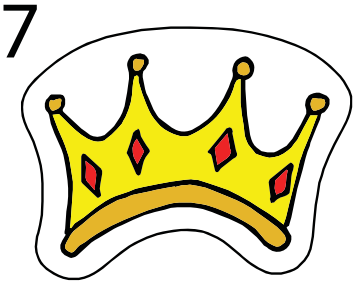

मध्यम

राजा के सामने घुटने टेककर नौकर ने क्या कहा?

उत्तर:
हे स्वामी,
धीरज धर

सरल

7

विद्यार्थियों को इस हफ्ते के स्टीकर काट कर अपने अध्ययन पाठ पर लगाने दें जहाँ बिन्दुओं से रेखा खीची गई है। उसके बाद उनसे उस पूरे पन्ने में रंग भरवाएँ।

खेल

आवश्यक सामग्रियां

कागज, पैन्सिल, घड़ी या टाईमर

खेल का निर्देशन करें

1. हर एक बच्चा एक पन्ने पर अपना एक हाथ बनाएगा। (हाथ का अर्थ उन हाथों से होगा जिनसे वे दाख के बारी में काम करते हैं)
2. बच्चों को एक या पाँच कार्य करने दें, उदाहरण के लिए, हाथ मिलाना या अपने हाथों को कंधों पर रखना। घड़ी को 60 सेकण्डस् के लिए सेट करें (अगर आपके पास बड़ा समूह है तो आप उन्हें ज्यादा समय दे सकते हैं।)
3. बच्चे उस कमरे में घुमें और समय समाप्त होने से पहले एक्शन करते हुए अधिक से अधिक बच्चों से मिलें। जब दो बच्चे कोई एक एक्शन कर चुके, तो वह दूसरे बच्चे के ''हाथ'' के चिन्ह के कागज पर हस्ताक्षर करेंगे। लक्ष्य यह है कि अधिक से अधिक हस्ताक्षर इकट्ठा करें।
4. जब समय समाप्त हो जाए, तो बच्चे अपने ''हाथ'' चिन्ह के चित्र पर के हस्ताक्षर गिनेंगे। जिस बच्चे का सबसे अधिक हस्ताक्षर हो वह कहेगा कि अपने मित्रों के साथ वह क्या करना चाहता है और उसके लिए एक तरीका बतायेगा जो अगला जन करेगा। कागज के दूसरे भाग को अगले खेल के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। (या किसी नए कागज के टुकड़े पर)

विकल्प:

कागज या पैंसिल का उपयोग करने के अलावा, बच्चे धुल सकने वाले मार्कर का इस्तेमाल कर सकते हैं (या कुछ अन्य चीज़ जिसे धोया या मिटाया जा सके) जिससे कि वे सीधे अपने हाथों पर हस्ताक्षर कर सकें।

मज़दूर

बाइबल पद्यांश: मत्ती 20:1-16

याद करो : *जो पिछले हैं वह पहिले होंगे, और जो पहिले हैं, वे पिछले होंगे। मत्ती 20:16*

पढ़ने का गृह कार्य: कठिन - मत्ती 15
उन्नत - मत्ती 19-20

मुख्य पाठ

इस दृष्टांत में, हम देख सकते हैं कि परमेश्वर के अद्‌भुत दया को जो उसने सारे मानवजाति के लिये दिया। परमेश्वर इतना दयालु है कि वह उद्धार और अनंत जीवन सभी को देता है जो भी उसके नाम में यीशु के चरणों में आने का निर्णय करते हैं। उद्धार मुफ़्त है और यह सभी के लिए एक जैसा है, चाहे कोई अपने जीवन के किसी भी वक्त उसे स्वीकारे। एक व्यक्ति यीशु को उसके बचपन में भी स्वीकार सकता है और पूरा जीवन उसकी सेवा कर सकता है। लेकिन ऐसे भी कई लोग होते है जो अपने पूरे जीवन भर पाप में अपने हिसाब से जीते हैं और जब वे बुर्जुग हो जाते हैं अपना हृदय प्रभु को देते हैं। पहले व्यक्ति के समान इस पापी को भी अनंत जीवन मिलता है। ऐसा लगता है कि यीशु उन भाईयों को पाठ सिखाना चाहता है जिन्हें उपरोक्त कार्यों में न्याय नहीं दिखता। उस समय के धार्मिक अगुवे भी यीशु के खिलाफ खड़े हो गये और कई बार हम भी ऐसा ही करते है। उद्धार सभी के लिये मुफ़्त है, चाहे कोई यीशु के पास अपने जीवन में कितनी भी देरी से आये। इसलिए यीशु आपको ऐसा ना पायें जैसे वह मज़दूर जो पेड़ के नीचे बिना काम के बैठे थे। याद रखें कि इस धरती का जीवन न्यायपूर्ण नहीं है। जैसे यीशु ने कहा ''फिर आखरी पहला हो जायेगा और पहला आखरी''।

दृश्य सामग्रियां

तीन सिक्कों का प्रयोग करें, उन्हें नाम दें जैसे कि वे लोग हो। वे एक जेब में रहते थे और उनमें से एक जिसका अधिक मूल्य था वह हमेशा दूसरों को नीचा दिखाता था जिनका मूल्य कम था। उसने सोचा कि वह सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। एक दिन दुकान में, दुकानदार के पास चिल्लर नहीं थे, इसलिए अधिक मूल्य वाला सिक्का इस्तेमाल नहीं किया जा सका। वह लज्जित हो गया। उस मनुष्य को छोटे मुल्यों वाले सिक्कों का प्रयोग करना पड़ा जिससे वे सभी काफी खुश हो गये!

प्रश्न

क्या इस धरती पर पूरा न्याय मिलेगा? *(नहीं)*
परमेश्वर क्या चाहता है कि हम अपने इस जीवन में करें? *(काम)*
क्या हम कुछ नहीं कर सकते? *(नहीं)*
क्या उद्धार के विभिन्न स्तर होते हैं? *(नहीं)*
जब हम देखते हैं कि परमेश्वर दूसरों को आशीष दे रहा है तो हमें उस समय क्या करना चाहिए *(उनके साथ आनंद मनाये)*
क्या वह व्यक्ति स्वर्ग में प्रवेश करेगा जिसने अपनी मृत्यु से एक हफ्ते पहले ही यीशु को ग्रहण किया हो? *(हाँ, इस दृष्टान्त का मुख्य पाठ यही है।)*

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

उत्तर

उन्नत

■ = ह

गुप्त संदेश

मु	झे		स	म	झ	ना		है		कि

प	र	मे	श	व	र	के		मू	ल	य		ह	मा	रे

मू	ल	यों		से		अ	ल	ग		है

याद करो : (सरल**,** मध्यम**,** कठिन **)**
इसी रीति से जो पिछले हैं, वह पहिले होंगे, और जो पहिले हैं, वे पिछले होंगे। मत्ती 20:16ब

कठिन

शब्दों को क्रम से लिखों :
वजीन शाहमे लरस हींन ताहो

गुप्त संदेश

प	र	मे	श	व	र

के		मू	ल	य

ह	मे	शा		अ	ल	ग		है

मध्यम

उत्तर**:**
"वजीन शाहमे लरस हींन ताहो"

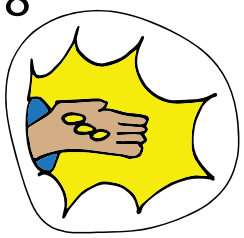

8

सरल

विद्यार्थियों को इस हफ्ते के स्टीकर काट कर अपने अध्ययन पाठ पर लगाने दें जहाँ बिन्दुओं से रेखा खीची गई है। उसके बाद उनसे उस पूरे पन्ने में रंग भरवाएँ।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

खेल

आवश्यक सामग्रियां

टेप या धागा, सिक्के।

खेल की तैयारी

टेप का इस्तेमाल करके दो आडी टेडी लकीरों को जमीन पर या आपके खेलने के फर्श पर बनायें, थोड़ी जगह छोड़ें ताकि बच्चें लकीरों के पीछे एक कतार बना सके।

खेल का निर्देशन करें

1. बच्चों को दो टीम में बाँट दें। प्रत्येक समूह आडी तिरछी लकीरों के पीछे कतार में खड़े रहें। इस खेल में जब सिक्के का सिरा (अंक वाला हिस्सा) ऊपर होकर गिरता है तब बच्चे अति शीघ्रता से उन लकीरों पर आसानी से यह याद करने के लिए चलते है कि प्रभु की आज्ञाओं का पालन करना अच्छी बात है। यदि सिक्के का पूँछ (बिना अंक वाला हिस्सा) गिरता है तो बच्चों को लकीर पर कठिनाई से चलते हुए यह याद करना होगा कि प्रभु की आज्ञा न मानने से हम मुसीबत में पड़ सकते हैं।
2. वह बच्चा जो प्रत्येक कतार में सामने खड़ा है सिक्का उछालता है। यदि सिक्के का सिरा गिरता है, तो बच्चों को कहें कि लकीरों पर बड़ी आसानी से चल सकते हैं (चलकर या कूदकर)। यदि सिक्के के पूछँ का हिस्सा गिरता है तो बच्चों को कहें कि लकीर का काफी कठिन रीति से चलें (रेंगकर या पीछे की ओर चलकर इत्यादि) पहला बच्चा जब लकीर को पार कर लेता है तो उसके बाद जो बच्चा उसके पीछे है, वह सिक्का फेंकेगा और उस प्रकार आगे बढ़ेगा। इसे लगतार करते रहें जब तक कि कतार के सारे बच्चे न खेल लें। यदि समय अनुमति दें तो उसे नये गतिविधियों के साथ फिर से करें।

विकल्प:

1. इस खेल में बच्चों के उम्र के अनुसार और भी अधिक विभिन्नताएं जोड़ा जा सकता है।
2 बच्चों को लकीरों पर आसान या कठिन तरीकों से चलने का उपाय बताते हुए उनकी मदद करें।

दो पुत्र

बाइबल पद्यांश: मत्ती 21:28-32

याद करो : *क्योंकि यूहन्ना धर्म के मार्ग से तुम्हारे पास आया, और तुम ने उस की प्रतीति न की: पर महसूल लेनेवालों और वेश्याओं ने उस की प्रतीति की: और तुम यह देखकर पीछे भी न पछताए कि उस की प्रतीति कर लेते। मत्ती 21:32*

पढ़ने का गृह कार्य: कठिन - मत्ती 16
उन्नत - मत्ती 21-22

मुख्य पाठ

हमें यहाँ पाखण्ड़ का एक अच्छा उदाहरण मिलता है और यीशु इसे अच्छे से स्पष्ट करते हैं। ''धर्म के अगवें'' जो अच्छी बातें कहते थे, वे ऐसे है जो कहते हैं कि वे खेत में जाएंगे। परन्तु यदि वे यीशु की शिक्षाओं में नही जीते, सचमुच वे आज्ञाकारी नही है एवं वास्तव में वे खेत नही गए। और वे लोग जो प्रभु से कहते हैं कि वे खेत में नही जाएगें, वे अविश्वासी है। उनकी पहली प्रतिक्रिया प्रभु के लिये ''नही'' है। किन्तु बाद में वे पश्चाताप करते और यीशु के चरणों के निकट आ जाते हैं। यहाँ पर हमारे प्रभु इस विषय पर यह कहते हैं कि, कितना महत्वपूर्ण है कि जिस बात पर आप विश्वास करते हैं उस पर कार्य करें और ''दिखावे'' का कोई मूल्य नही है। आप सोचेंगे कि मैं सबको मेरे चारों तरफ धोखा दे सकता हूँ, किन्तु परमेश्वर हमारे हृदय को जानता है। यह शिक्षा हमारे लिए आज के युग में बहुत महत्वपूर्ण है। हम अपने चारों तरफ ढोंगियों को देख सकते हैं और ये बहुत ही चिंता जनक है। किन्तु हमें जानना है कि यीशु भी देख रहे हैं और वह जानता हैं कि कौन हृदय से आज्ञाकारी है। जब आप और मैं चीजों को याद करते हैं और अपने चर्च या बाइबल से सीखते हैं, किन्तु हम वैसे नही जीते तो हमें परेशानी होती है। यीशु हमें पाखण्डी बुलायेंगे। हम रविवार कोएक समर्पित जीवन के साथ प्रभु के लिये गा सकते हैं, परन्तु सोमवार को, यदि हम स्कूल पर ऐसा जीवन नही जीते तो हम उस पुत्र के समान होंगे जो इस दृष्टांत में कहता है कि ''हाँ'' परन्तु नही जाता। इसलिए ये बहुत जरूरी है, कि हमने जो बाइबल से सीखा है, उसमे जीयें, केवल अध्ययन न करें। क्योंकि आप और मैं परमेश्वर के बच्चे बनना चाहते हैं, ताकि हमारे प्रभु को ''हाँ'' कहें, और तत्पश्चात उसकी आज्ञा मानकर उसके खेत में जायें।

दृश्य सामग्रियां

एक गंदे कमरे में दो बच्चों के साथ नाटक करें। उनकी माँ, उनसे कमरा साफ करने और उनके मैले कपड़े उनके पास ले आने को कहती है। शुरूआत में, माँ बेटे पर गुस्सा होती है क्योंकि उसने काम करने के लिए ''ना'' कहा था, किन्तु जब वह बात मानता है तो उस से खुश होती है। फिर, दिन के अंत में, वह बेटा जिसने ''हाँ'' कहा था, लेकिन कुछ भी नहीं किया था उसे सजा मिलती है। उसे बिना रात्रि भोजन के सोने के लिए बिस्तर पर भेज दिया जाता है।

प्रश्न

वे कौन है जो खेत में नही जाना चाहते परन्तु पश्चाताप करते हैं और फिर जाते हैं? *(वे लोग जो कलीसिया नही जाते, जिन्होंने अभी तक उद्धार नही पाया और यीशु के लिये नही जीवन नहीं बिताते)*
उनमें से वे कौन है जो प्रभु को ''हाँ'' कहते हैं' किन्तु उसके खेत में नही जाते? *(मसीही जो कलीसिया में जाते हैं, दान देते और प्रार्थना करते हैं, लेकिन यीशु की शिक्षाओ को अपने कार्यों के द्वारा पालन नही करते।)*
इसका क्या अर्थ है, कि ''खेत में जाओ''? *(आपके विश्वास को दूसरों के साथ बाँटें, दूसरों से प्यार करें जैसा यीशु आपसे प्यार करता है। अपने दुश्मनो पर दया दिखायें, आपके विश्वास को दूसरों के सामने जी कर दिखाये।)*
आप तब क्या करेंगे, जब यदि आप को यह आभास होता है, कि आपने आज्ञा नही मानी और खेत में नही गये? *(पश्चाताप और बदलाव)*
क्या प्रभु के लिये महत्वपूर्ण है कि हम उस पर विश्वास करें और आज्ञा मानें *(बिल्कुल सही)*

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

उत्तर

जासूस

परमेश्वर के राज्य की छान बीन

उन्नत

→ ♍ ब

गुप्त संदेश

मु	झे		या	द		क	र	ना		है

कि		आ	ज्ञा		पा	ल	न		ज्ञा	न

से		ब	ढ	क	र		है

याद करो : (सरल, मध्यम, कठिन)

क्योंकि यूहन्ना धर्म के मार्ग से तुम्हारे पास आया, और तुम ने उस की प्रतीति न की: पर महसूल लेनेवालों और वेश्याओं ने उस की प्रतीति की। मत्ती 21:32ब

कठिन

गुप्त संदेश

आ	ज्ञा		पा	ल	न

ज्ञा	न		से

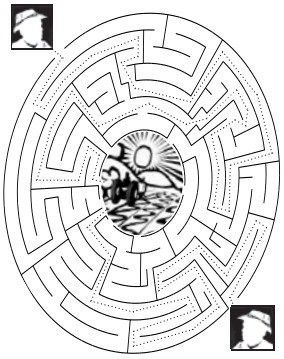

ब	ढ़	क	र		है

भूलभुलैया

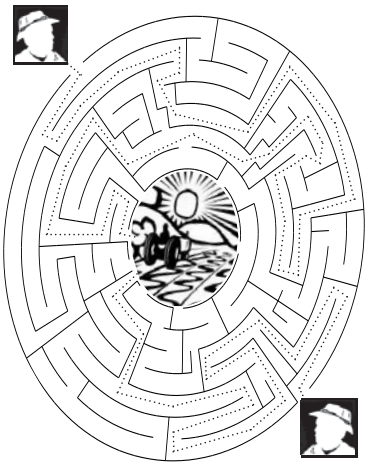

मध्यम

भूलभुलैया

सरल

विद्यार्थियों को इस हफ्ते के स्टीकर काट कर अपने अध्ययन पाठ पर लगाने दें जहाँ बिन्दुओं से रेखा खीची गई है। उसके बाद उनसे उस पूरे पन्ने में रंग भरवाएँ।

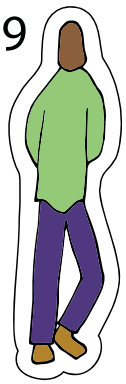

9

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

खेल

आवश्यक सामग्रियां

एक पन्ना, दो कुर्सियाँ, टेप, एक फुला हुआ गुब्बारा।

खेल की तैयारी

खेलने वाली जगह के बीच में, दो कुर्सियों के बीचों बीच एक शीट रखें ताकि ये ऊपर की तरह लटकी रहें (चित्र देखें)। हर समूह के बीस बच्चों के खेलने के लिए जगह तैयार करें।

खेल का निर्देशन करें

1. प्रत्येक समूह को दो टीमों में बांटें जिसमें दस बच्चों से अधिक न हो। टीम को शीट के विपरीत भेजें। बच्चे फर्श पर बैठ जायें, उनके बीच में एक समान जगह छोडे जहाँ वे खेलने के लिये गोलाई में बैठे हैं और इस प्रकार बैठे कि वे शीट के पार न देख पायें। (चित्र देखें)
2. बच्चे एक गेम खेलते हैं जैसे वॉलीबोल लेकिन खेल के दौरान बैठे रहें, और वे अपने जगह से न हटें। एक टीम को एक गुब्बारा दें। बिना चेतावनी या घोषणा के, टीम में कोई एक बच्चा उस गुब्बारे को उस शीट के ऊपर खेल के जगह पर कहीं पर भी फेंकता है। प्राप्त करने वाले टीम के बच्चें दूसरी ओर से किसी भी समय उस गुब्बारे के आने का इंतजार करते हैं, फिर दूसरी टीम की ओर मारने से पहले वे उस गुब्बारे को पकड़ते है और दो बार हल्के से अपने टीम के सदस्यों में ही उछालते है। टीम को देखना है कि वे कितने बार गुबबारे को जमीन पर बिना गिरे उस शीट के ऊपर से कितनी बार मार सकते है।

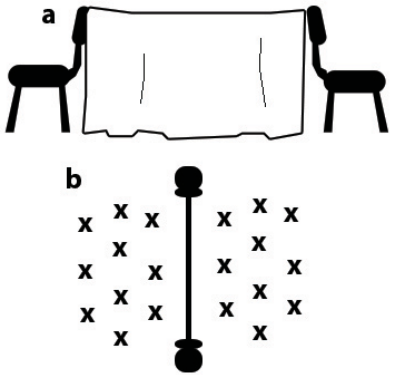

विकल्प:

1. एक समूह को दो टीमों में बाँटने के लिये, प्रत्येक बच्चे को अपने दोस्त ढूँढ़ने के लिए भेजें। फिर उस दोस्त को शीट के एक तरफ जाने को कहें, और उसी दौरान अन्य दोस्त विपरीत दिशा में जायें। (ये आपके समूह को आधा करेगा)
2. खेलने की जगह के चारों तरफ धागा या टेप लगायें।
3. यदि आपके पास छोटे बच्चें हैं, तो बिना शीट के गेम खेलें।

किसान

बाइबल पद्यांश: मत्ती 21:33-45

याद करो : *इसलिये मैं तुम से कहता हूं, कि परमेश्वर का राज्य तुम से ले लिया जाएगा; और ऐसी जाति को जो उसका फल लाए, दिया जाएगा। मत्ती 21:43*

पढ़ने का गृह कार्य: कठिन - मत्ती 18
उन्नत - मत्ती 23-24

मुख्य पाठ

यह दृष्टांत हमें एक चित्र दिखाता है कि परमेश्वर का पुत्र यीशु मसीह के साथ क्या होने वाला था। इस दृष्टांत में पिता स्वयं परमेश्वर है। वह अपने दासों को, जो भविष्यद्वक्ता और मसीही है और जिन्होंने प्रभु के सत्य का प्रचार किया उनको भेजता है। उसके पश्चात अपने पुत्र स्वयं यीशु मसीह को भेजता है। किन्तु वे उसे मार डालते हैं। जब यीशु यह दृष्टांत कहता है, उस समय वह मरा नही था, और अपने भविष्य के बारे में बता रहा था। पूर्व काल के दिनों में धार्मिक अगुवों ने यीशु को नही स्वीकारा था बल्कि उसे मार डाला। यह घटना इस दृष्टांत के समान ही घटा। हम इस दृष्टांत को आज के हमारे जीवन में भी लागू कर सकते है क्योंकि यीशु हमे यह मुख्य वचन देते हैं: ''इसलिए मैं तुम से कहता हूं कि परमेश्वर का राज्य तुमसे ले लिया जाएगा और ऐसे लोगों को दे दिया जाएगा जो समय पर उसे फल दिया करेंगे।''

फिर से हम देख सकते हैं कि हमारे मसीही जीवन में आत्मिक फलों का होना कितना महत्वपूर्ण है। यह फल हमारे जीवन में धीरज और नम्रता है, या कलीसिया की सेवकाई कैसे करते हैं? इसका अर्थ है दूसरों की मदद करना या भलाई करना, या हमसे जो निचले स्तर पर है, उन लोगों के साथ बाँटना। यदि हमारे जीवन से हम परमेश्वर के फल को नही दिखाते, तो सब कुछ हमसे छीन लिया जायेगा और किसी और को दे दिया जायेगा जो समय पर फल लाते है।

दृश्य सामग्रियां

एक किसान के बारे में एक सच्ची कहानी उन्हें बताये जिसे 40 पेड़ उपहार में दिये गए। सभी छोटे थे, किंतु उसे अच्छी जमीन पर उगाया गया, और अच्छी तरह पानी दिया गया। 6 हफ्ते तक उन सबको पानी डालने के बाद, मालिक उन सबको गिनता है जिनमें कलियाँ फूट निकली थी। केवल 18 पेड़ ही में नये हरे पत्ते फूट निकले थे। उन बाकी 22 पौधे के साथ मालिक को क्या करना चाहिए जो मुरझा गये है? क्या उसे उन पर समय बिताना और पानी डालना छोड़ देना चाहिए? हाँ! वह इसकी जगह दूसरा पेड़ लगायेगा जो एक दिन उसकी जमीन को छांव प्रदान करेगा।

प्रश्न

पिता कौन है? *(परमेश्वर)*
किसान कौन है? *(हम)*
सेवक कौन है? *(भविष्यवक्ता, पासवान, और वे लोग जो प्रचार करते हैं)*
बेटा कौन है? *(यीशु मसीह)*
हम अपने जीवन में कौन सा फल ला सकते हैं? *(शांति, आनंद, धीरज, नम्रता, दया इत्यादि)*
यदि हमारे जीवन में फल नही होगा तो परमेश्वर क्या करेगा? *(जो कुछ हमारे पास है उसे लेकर उन दूसरों को देगा जो फल लाते हैं)*

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

उत्तर

उन्नत
गुप्त संदेश

→ ③ स

मु	झे

प	र	मे	श	व	र

जो

सि	खा	ता

है

उ	से

व्य	व	हा	र

में

ला	ना

चा	हि	ए

याद करो : (सरल, मध्यम, कठिन **)**

परमेश्वर का राज्य तुम से ले लिया जाएगा; और ऐसी जाति को जो उसका फल लाए, दिया जाएगा। मत्ती 21:43ब

शब्द ढूंढ़ों

कि	[illegible]	ट	ठ	छ	ड	क	१	बे	टा	ळ	[illegible]	दा
सा	ह	ज	ा	प	त	पौ	धा	ब	अ	इ	[illegible]	ख
न	ी	मीं	मा	र	ना	प	व	द	उ	ए	ट	की
अ	र	दा	म	मे	ज	ल	न	वि	ह	ी	ज	बा
इ	प	र	मे	श	व	र	का	रा	ज	य	ल	री
द	ट	नौ	क	र	[illegible]	श्र	ळ	स	म	मा	न	१
उ	थ	द	इ	इ	ब	वा	१	त	ळ	रे	[illegible]	क
क	रा	द	उ	ए	अ	रि	फ	क	[illegible]	ग	क	१
ि	व	क	ि	ह	फ	स	ल	ज्ञ	श्र	ए	ळ	[illegible]

कठिन
गुप्त संदेश

प	र	मे	श	व	र

जो

सि	खा	ता

है

उ	से

व्य	व	हा	र

में

ला	ओ

शब्द ढूंढ़ों

बे	व	म	प	म	त	प
टा	अं	गू	र	र	व	पि
प	व	त	मे	इ	र	ता
म	र	प	श	बु	रा	ई
व	इ	व	व	व	र	म
क	नौ	क	र	इ	का	म
म	व	रो	ट	प	व	ज

मध्यम

शब्द ढूंढ़ों

बे	व	म	प	म	त	प
टा	अं	गू	र	र	व	पि
प	व	त	मे	इ	र	ता
म	र	प	श	बु	रा	ई
व	इ	व	व	व	र	म
क	नौ	क	र	इ	का	म
म	व	रो	ट	प	व	ज

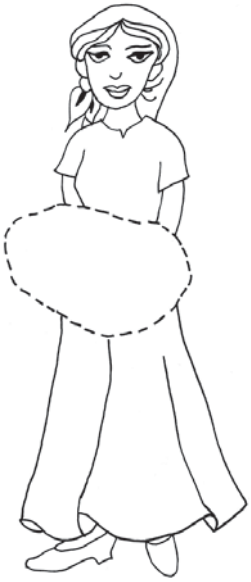

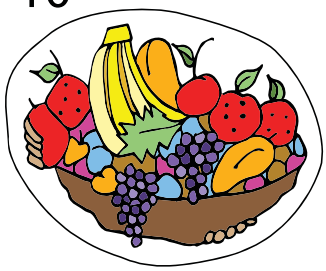

सरल

10

विद्यार्थियों को इस हफ्ते के स्टीकर काट कर अपने अध्ययन पाठ पर लगाने दें जहाँ बिन्दुओं से रेखा खीची गई है। उसके बाद उनसे उस पूरे पन्ने में रंग भरवाएँ।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

विवाह भोज

बाइबल पद्यांश: मत्ती 22:1-14

याद करो : *इसलिये चौराहों में जाओ, और जितने लोग तुम्हें मिलें, सब को ब्याह के भोज में बुला लाओ। सो उन दासों ने सड़कों पर जाकर क्या बुरे, क्या भले, जितने मिले, सब को इकट्ठे किया; और ब्याह का घर जेवनहारों से भर गया। मत्ती 22:9–10*

पढ़ने का गृह कार्य: कठिन - मत्ती 26
उन्नत - मत्ती 25-26

मुख्य पाठ

आप में से कितने लोग पार्टियों में जाना पसंद करते हैं? विशेष रूप से स्वादिष्ट भोजन, मिठाईयाँ, केक, और संगीत के साथ जहाँ बहुत मजा आता है। क्या आपको पता है? मैं और आप एक भव्य शादी की पार्टी के लिए आमंत्रित किये गये हैं! परमेश्वर ने खुद ही हमें इस विशाल पार्टी के लिए आमंत्रित किया है और उसने हर किसी को एक खुला निमंत्रण दिया है! इस दृष्टान्त में यीशु कहता है, कि उस आदमी ने मूल रूप से महत्वपूर्ण, उच्च वर्ग के लोगों को ही आमंत्रित किया था। लेकिन जब यह पार्टी शुरू करने का समय हुआ, तब इन अमीर, शिक्षित, धार्मिक लोगों ने वहां जाने से मना कर दिया! उन्होंने हर प्रकार के बहाने बनाये। कई लोग तो परमेश्वर के लिए इतने व्यस्त थे, कि वे उसके लिए समय ही नहीं निकाल सकें। और इस कारण परमेश्वर ने अपना मन बदल दिया, और हर एक आम व्यक्ति के लिए इस पार्टी को खोल दिया। न केवल अमीर, या सुंदर, या स्कूल के सबसे सुंदर लोग, या सुपरिचित लोगों को इस भोज का आनंद उठाने के लिए निमंत्रण दिया गया था, बल्कि, वह बाहर गया और हर किसी को उसने निमंत्रण दिया! जल्द ही वह पार्टी लोगों से भरा हुआ था, लेकिन बाइबल बताती है कि उधर केवल गरीब, अपंग, नेत्रहीन, और लंगड़े थे। वास्तव में आज यही हो रहा है। एक उच्च वर्ग के व्यक्ति को यीशु के निमंत्रण को स्वीकार करने में कठिनाई होती है क्योंकि अक्सर उन्हें अपने घमंड़ से संघर्ष करना पड़ता है। उन्हे लगता है कि वे इतने महत्वपूर्ण हैं कि उन्हें यीशु के लिए समय निकालने की जरूरत नहीं है, इस कारण वे हर तरह के बहाने बनाते हैं। हमारे चारों तरफ लोग परमेश्वर और उसके निमंत्रण को अनदेखा कर रहे हैं। जीवन इस दृष्टान्त की तरह ही है; इस दुनिया में के हर व्यक्ति को यीशु मसीह को ग्रहण करने के लिए और उद्धार पाने के लिए आमंत्रित किया गया है। हम स्वर्ग में परमेश्वर के साथ के उस अनन्त पार्टी में भाग लेने के लिए आमंत्रित किये गये हैं। इस दृष्टान्त के द्वारा हम क्या समझ सकते हैं कि यहाँ समाज के निचले स्तर पर के लोग स्वर्ग के ऊंचे स्थानों में बैठाये जा सकते हैं, क्योंकि वे निमंत्रण सूची में थे और उन्होंने परमेश्वर के निमंत्रण के प्रति प्रतिक्रिया किया। परमेश्वर ने आपको आमंत्रित किया है! क्या आप अपने निमंत्रण को स्वीकार करने और उस पार्टी में भाग लेने के लिए तैयार हो?

दृश्य सामग्रियां

नाटक: एक लड़की एक पार्टी के लिए एक निमंत्रण प्राप्त करती है। वह जाने के लिए खुश है, पर वह बहुत व्यस्त थी। वह सोचती है कि वह उसमें भाग लेगी, लेकिन अंत में, वह भूल जाती है कि वह कौन से दिन था, और नहीं जा पाती। बाद में, स्कूल में जब अन्य लड़कियाँ बातें करती है कि वह पार्टी कितनी अच्छी थी, तब वह दुखी हो जाती है कि वह नहीं जा सकी। पार्टी का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक छोटा सा जन्मदिन केक लाएं।

प्रश्न

कौन शादी के लिए आमंत्रित किये गये है? *(वे जो सब कुछ छोड़ कर जाने के लिए तैयार हो।)*
क्या परमेश्वर के लिए व्यस्त होना संभव है? *(हाँ)*
कैसे? *(काम पर, स्कूल में, या अपने दिल में, जैसे एक प्रेमिका या प्रेमी के साथ, आदि)*
चुने हुए लोग कौन थे? *(वास्तव में जिन्होंने भाग लिया था।)*
क्या आप निमंत्रण को स्वीकार करेंगे?

खेल

आवश्यक सामग्रियां

कागज, कैंची, मार्कर।

खेल की तैयारी

कागज के छोटे वर्गों को बनाओ, प्रत्येक छात्र के लिए कम से कम 10

खेल का निर्देशन करें

1. एक मार्कर के साथ प्रत्येक छात्र को कागज के 10 टुकड़े दें। छात्रों को प्रत्येक छोटे कागज पर संख्या 01 से 10 लिखने दें, और फिर वे खेल के मैदान के बीच में संख्या के साथ उन्हें नीचे डाल दें। (आप समय से पहले ही इसे तैयार करके रख सकते हैं।)
2. छात्रों को दो समूह में विभाजित करें। उन्हें विपरीत पंक्तियों में आमने सामने खड़ा करें। प्रत्येक छात्र को खेल खेलने के लिए एक नंबर दे। (तस्वीर देखें)
3. दो नंबरों को बुलायें। इन नंबरों वाले छात्रों को 5 सैकंड मिलेंगे कि वे जितने कागज के टुकड़ो को इकट्ठा कर सकते हैं उतना करें। फिर उन्हें वापस उन टुकड़ों के साथ अपने स्थान में लौटना होगा। जोड़ने के लिए प्रत्येक टुकड़े पर लिखे गए संख्या की गणना करें। सबसे बड़ी संख्या वाला बच्चा जीतेगा।
4. खेल जारी रखने के लिये चौकोर कागज़ के उन टुकड़ों को फिर से वहाँ रखें और अन्य बच्चों के साथ खेल जारी रखें।

विकल्प:

1. अगर आपके कक्षा में 10 से कम छात्र है, तो प्रत्येक बच्चे के लिए 10 चौकोर टुकड़ों से अधिक बनाएं। बच्चों को दो टीमों में विभाजित करें, लेकिन सारे चौकोर छोटे कागजों को एक साथ इकट्ठा करें। बच्चे चौकोर को तब तक इकट्ठा करें जब तक कि वह खत्म न हो जाएं। यह देखने के लिए कि कौन जीता, पूरे टीम के कागज के अंकों की गणना करें।
2. आपके विषय से जुड़ता हुआ छोटे कागज़ों से कोई आकृति बनाएं।
3. छोटे बच्चों के लिए, चौकोर को इकट्ठा करके उनकी गिनती करें, अंकों को उसमें लिखने की जरूरत नहीं है।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

उत्तर

जासूस
परमेश्वर के राज्य की छानबीन

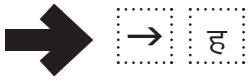

उन्नत

→ → ह

गुप्त संदेश

मु	झे		हो	शि	या	र		ब	न	ना		है

मुझे होशियार बनना है ताकि मेरे पास यीशु मसीह के लिए समय हो

याद करो : (सरल, मध्यम, कठिन **)**

उन दासों ने सड़कों पर जाकर क्या बुरे, क्या भले, जितने मिले, सब को इकट्ठे किया; और ब्याह का घर जेवनहारों से भर गया। मत्ती 22:9ब–10

मध्यम

कठिन

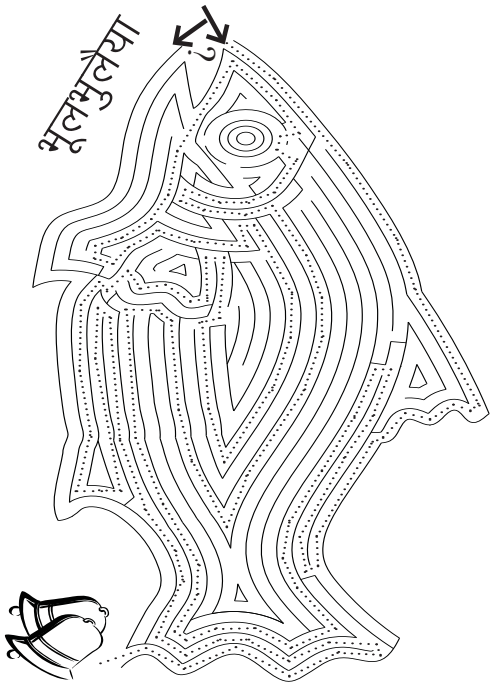

गुप्त संदेश

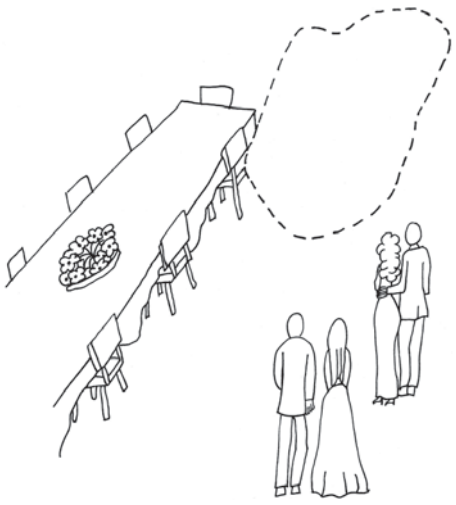

मसीह के लिए मेरे पास समय है

11

सरल

विद्यार्थियों को इस हफ्ते के स्टीकर काट कर अपने अध्ययन पाठ पर लगाने दें जहाँ बिन्दुओं से रेखा खीची गई है। उसके बाद उनसे उस पूरे पन्ने में रंग भरवाएँ।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

दस कुंवारियां

बाइबल पद्यांश: मत्ती *25:1-13*

याद करो : *इसलिये जागते रहो, क्योंकि तुम न उस दिन को जानते हो, न उस घड़ी को। मत्ती 25:13*

पढ़ने का गृह कार्य: कठिन - मत्ती 28
उन्नत - मत्ती 27-28

मुख्य पाठ

बाइबल बताती है कि यीशु वापस उन लोगों के लिए एक दिन आएंगे जिन्होंने अपना जीवन उसे दे दिया है। इस दृष्टान्त में, हम देखते हैं कि यीशु चाहता है कि हम उसके दूसरे आगमन के लिए तैयार हो जाएं। हम (कलीसिया) मसीह के दुल्हन है और हम यीशु के वापस आने के इंतजार में हैं। हमें तैयार रहना चाहिए। कई लोग सोचते हैं, अभी थोड़ी देर के लिये खेल लेते हैं, पार्टीबाजी कर लेते हैं और कुछ वर्षों के लिए पाप कर लेते हैं। शायद कई लोग यह सोचते हैं कि बाद में जब समय आएगा तब पश्चाताप् कर लेंगे, सब उसी वक्त ठीक कर लेंगे। लेकिन, मसीह अपने कलीसिया के लिए किसी भी क्षण वापस आ सकते हैं, और हमें हर वक्त उस के लिये तैयार रहना जरूरी है। जब वह वापस आएगा, हमें उसमें जीवित रहना जरूरी है। कुछ लोग मसीही जीवन जीते हुए दिखाते हैं, लेकिन उनके दिल में, उन्होंने प्रभु के समक्ष समर्पण नहीं किया होता है। जब उन्हें दूसरों को माफ करने या दूसरों के साथ दया रखने के लिये कहा जाता है तब वे उन आज्ञाओं का पालन करना नहीं चाहते। बाहरी दिखावा करके हम लोगों को मूर्ख बना सकते हैं, लेकिन परमेश्वर हमारे दिल को देखता है। यह दृष्टान्त, हमें हमेशा प्रभु के लिये जीने को याद दिलायेगा, उसकी आज्ञाओं का पालन करना सिखाएगा, क्योंकि हम नहीं जान सकते कि उसका आगमन किस दिन या किस क्षण होगा।

दृश्य सामग्रियां

नाटक जिसमें छात्र बांसुरी बजा रहे हो। हर कोई बहुत ही अच्छी तरह से बजा रहे हैं और वे जल्द ही होने वाले एक संगीत कार्यक्रम के लिए तैयारी कर रहे हैं। उन्हें संगीत समारोह की तारीख नहीं पता, इस कारण उन्हें हर दिन स्कूल में अपनी बांसुरी लानी पड़ती है। एक दिन अचानक ही संगीत समारोह होता है, लेकिन केवल 10 में से 5 बच्चें अपनी बांसुरी स्कूल में लाते हैं और केवल वे ही भाग ले पाते हैं। बाकी बहुत ही उदास हो जाते हैं क्योंकि वे उसमें भाग नहीं ले पाए।

प्रश्न

वे कुंवारियां कौन हैं? *(हम)*
दूल्हा कौन है? *(मसीह)*
मसीह के आगमन की तारीख कौन जानता है? *(कोई भी नहीं)*
मसीह के आगमन की तैयारी के लिए आप क्या कर सकते हैं? *(दूसरों को प्यार करें, दयालु बनें, परमेश्वर के आज्ञा का पालन करें, आदि)*
एक व्यक्ति जो जागा हुआ हो वह क्या करता है? *(वह चलता है, काम करता है, खाता है, साफ करता है, आदि)*

खेल

आवश्यक सामग्रियां

प्रत्येक बच्चे के लिए एक कुर्सी। कुछ एक चीज़ जो अगले व्यक्ति को पारित किया जा सके जैसे कि प्लास्टिक का दीपक, टॉर्च, तेल की बोतल, या सिर्फ एक कागज का टुकड़ा। (एक 6–8 बच्चों के लिए)

खेल की तैयारी

नीचे दिये गए चित्र के रूप में दो पंक्तियों में कुर्सियों को रखें।

खेल का निर्देशन करें

1. 6 से 8 बच्चों का एक समूह बनायें और उन्हें कुर्सियों पर बैठाएं।
2. प्रत्येक पंक्ति में के पहले बच्चे को वह चीज़ दे। जैसे ही शिक्षक खेल शुरू करने को कहता है, वे उस चीज़ को पहले बच्चे से लेकर उनकी पंक्ति के अंत के बच्चे के हाथ में तक बढ़ायें। सबसे आखिर वाला बच्चा उठकर उसे उठाता है और भागकर शुरूआत के बच्चे को देता है। जब वह भागता है, तब बाकी बच्चे अपनी कुर्सियों को आगे बढायें, शुरू की एक कुर्सी को खाली छोड़ते हुए। उसके बैठने के बाद, फिर से उस चीज़ को आगे–आगे बढ़ायें। तब तक जारी रखें जब तक कि सारे बच्चे अपने अपने सीट में वापस पहुंच न जाएं। वह टीम जो चक्कर लगाकर वापस अपने सीटों पर पहले पहुँचेगी वह टीम जीतेगी।
3. जो टीम जीतेगी उसमें से एक बच्चा उस पाठ में के एक प्रश्न का उत्तर देगा। आप टीमों को आपस में मिला सकते हैं और खेल को जारी रख सकते हैं।

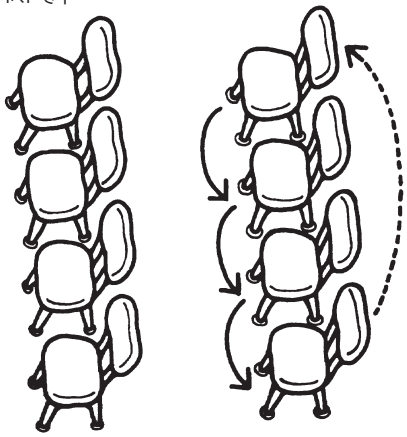

विकल्प:

1. आप अपने पाठ में से कुछ के साथ एक कागज की शीट का उपयोग करें, या याद करने की आयत को इस्तेमाल कर सकते हैं।
2. आप एक पेड़ की शाखाओं, या फूल, या किसी भी अन्य जीवित वस्तु का उपयोग कर सकते हैं।
3. अगर सारे टीमों में बराबर संख्या में बच्चे नहीं है तो, अगुवों को उन टीमों में शामिल होकर बराबर करना होगा।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

उन्नत

→ [ ] [अ]

गुप्त संदेश

मु	झे		मे	रे		जी	व	न		का		प्र	त्	ये	क

दि	न		ए	क		स	च्चा		म	सी	ही

ब	न	क	र		र	ह	ना		है

याद करो : (सरल, मध्यम, कठिन **)**
इसलिये जागते रहो, क्योंकि तुम न उस दिन को जानते हो, न उस घड़ी को।। मत्ती 25:13

शब्द ढूंढों

दु	[illegible]	आ	धी	रा	त	६	मू	क	[illegible]	रा
ल	ट	ठ	छ	ड	ए	ण	र्ख	ळ	[illegible]	ज
हा	[illegible]	[illegible]	पाँ	च	श्र	ज्ञ	[illegible]	[illegible]	[illegible]	य
क	नी	ट	ठ	छ	ड	दी	प	क	ल	[illegible]
[illegible]	द	स	स्	व	र्ग	[illegible]	ट	ठ	छ	बु
ळ	[illegible]	ळ	[illegible]	श्र	ज्ञ	दि	ड	ए	ण	द्धि
[illegible]	क	द	र	वा	ज़ा	न	ना	क	[illegible]	मा
श्र	ज्ञ	[illegible]	य	[illegible]	ग	ळ	[illegible]	श्र	ज्ञ	न
ते	ल	ठ	छ	ड	ना	[illegible]	[illegible]	घ	ड़ी	[illegible]
[illegible]	ट	प्र	भु	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

कठिन

गुप्त संदेश

मे	रे		जी	व	न		का

प्र	त्	ये	क		दि	न		म	सी	ही

ब	न	क	र		र	हूँ

शब्द ढूंढों

ड	ट	मू	र्ख	इ	ट	ल	बु
न	इ	द	प	म	ज्ञ	प	द्धि
प	य	ल	पाँ	च	म	ज्ञ	मा
म	ल	ड़	कि	याँ	दु	ल्ह	न
दी	छ	न	प	य	ल्हा	ड	ल
प	म	य	द	स	छ	ड	म
क	य	इ	द	ल	ते	ल	य
ड	द	ट	ल	छ	द	प	म

मध्यम

शब्द ढूंढों

ड	ट	मू	र्ख	इ	ट	ल	बु
न	इ	द	प	म	ज्ञ	प	द्धि
प	य	ल	पाँ	च	म	ज्ञ	मा
म	ल	ड़	कि	याँ	दु	ल्ह	न
दी	छ	न	प	य	ल्हा	ड	ल
प	म	य	द	स	छ	ड	म
क	य	इ	द	ल	ते	ल	य
ड	द	ट	ल	छ	द	प	म

सरल

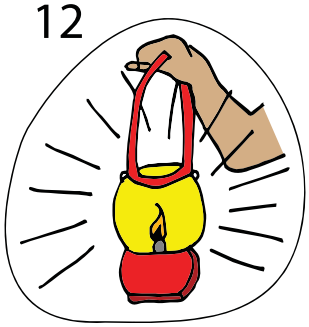

विद्यार्थियों को इस हफ्ते के स्टीकर काट कर अपने अध्ययन पाठ पर लगाने दें जहाँ बिन्दुओं से रेखा खीची गई है। उसके बाद उनसे उस पूरे पन्ने में रंग भरवाएँ।

12

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

13 धन्यवाद

सोने के सिक्के

बाइबल पद्यांश: मत्ती 25:14-30

याद करो: *धन्य है अच्छे और विश्वासयोग्य दास, तू थोड़े में विश्वासयोग्य रहा; मैं तुझे बहुत वस्तुओं का अधिकारी बनाऊंगा अपने स्वामी के आनन्द में सम्भागी हो। मत्ती 25:21ब*

गृहकार्य: मनाओ और आनंद करो!

मुख्य पाठ

"धन्य हे अच्छे और विश्वास योग्य दास! तुम थोड़े में विश्वासयोग्य निकले; मैं तुम्हें बहुतों पर अधिकारी ठहराता हूँ आओ और अपने स्वामी के आनंद में शामिल हो।" हर व्यक्ति यह शब्द प्रभु से सुनना चाहता है। लेकिन परमेश्वर इस दृष्टांत में क्या कहता है? हम कैसा व्यवहार करें कि इन शब्दों को हम यीशु से सुन पाएँ? प्रथम, यह महत्वपूर्ण हैं कि हम हमारे धन, वरदान और समय जो परमेश्वर ने हमें दिये है उनसे कुछ करना चाहिए। परमेश्वर हमारे जीवन से फलों को चाहता है, और हम अपने संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं। दूसरा, हम देख सकते हैं कि परमेश्वर हमारा न्याय उस बात के आधार पर करेगा कि हमें आरंभ किससे करना चाहिए था। परमेश्वर ने उस व्यक्ति से 10 सिक्के नही माँगे जिसे उसने केवल दो ही सिक्के दिए थे। वह उन 4 सिक्कों से संतुष्ट था क्योंकि यह उसका दुगुना था जो उसने उसे पहले दिया था। यह एक बहुत ही रूचिकर सिद्धांत है। मुझे वह सेवकाई नही करनी है, जैसा मेरा भाई कर रहा है, कारण ये है कि हो सकता है उसके पास ज्यादा पैसा, वरदान या समय हो। किन्तु क्या होगा यदि उसके पास कम हो, किन्तु मुझसे काफी अधिक बढ रहा हो? महत्वपूर्ण बात यह है कि परमेश्वर ने जो संसाधन हमें दिया है, उससे हमें कुछ करना चाहिए। यदि हम ऐसा करते हैं, तो परमेश्वर ने वायदा किया है, कि वह हमें और अधिक देगा। साथ ही, यह जरूरी है कि अन्य लोगों की सेवकाई पर केन्द्रित न रहें और अपने आप को उनसे तुलना करना शुरू न करें। केवल परमेश्वर जानता है कि आरंभ में हमें क्या दिया गया, और उसकी तुलना में हमने क्या प्राप्त किया है।

दृश्य सामग्रियां

नाटक: एक आदमी के पास पुराना मुड़ा हुआ फावड़ा है जो लगभग काम में नही आता, लेकिन उसी समय दूसरा व्यक्ति होगा, जिसके पास एक नया फावड़ा है। मालिक उन दोनों को काम देता है कि एक वर्ग मीटर का एक गड़ढा बनाए। जिस व्यक्ति के पास पुराना फावड़ा था उसका जमीन बड़ा कठोर और कई पत्थर वाला था। जिस व्यक्ति के पास अच्छा फावड़ा था उसके लिये जमीन बहुत नरम है। जिस व्यक्ति के पास अच्छा फावड़ा है और नरम जमीन मिला, वह दूसरे को नीचा दिखाने लगा, ऐसा बर्ताव किया कि उसे काम करना नही आता। उसने उसे चिढाते हुए कहा कि उसके पास पर्याप्त मांस पेशियाँ नही है और उसे कई बार विश्राम लेना पडेगा। अंत में, मालिक वापस आता है, और उस दूसरे व्यक्ति से ज्यादा संतृप्त होता है, क्योंकि जितना थोड़ा उसको मिला था उसके साथ उसने ज्यादा काम किया।

प्रश्न

प्रभु ने हमें कितने प्रकार के "सोने के सिक्के" दिये हैं? *(धन, आत्मिक वरदान, स्वाभाविक प्रतिभाएं, बुद्धि, समय)*

आप एक मसीही होने के नाते क्या आपका कार्य महत्वपूर्ण है? *(हां)*

क्यों? *(क्योंकि परमेश्वर ने जो हमें दिया है, उसे काम में लाना चाहिए; कारण कि हम जो करते हैं वह दिखाता है कि हम कौन है।)*

क्या आप अपने कार्यों की तुलन दूसरों से कर सकते हैं? *(नहीं, क्योंकि हम नहीं जानते कि प्रभु ने उन्हें शुरू करने के लिये क्या दिया है)*

क्या होगा, जब हम प्रभु के दिये चीज़ों से दुगुना फल लायेंगे? *(परमेश्वर कहेंगे, "धन्य हे विश्वासयोग्य दास" और हमें अधिक देंगे)*

खेल

आवश्यक सामग्रियां

प्रत्येक बच्चे के लिये एक कार्ड और एक मार्कर (रंगीन स्केच)

खेल की तैयारी

हर कार्ड में 1–10 की संख्या लिख लें। उसे कक्षा में चारों तरफ कहीं छिपा दें।

खेल का निर्देशन करें

जब शिक्षक संकेत देते हैं; तो बच्चे किसी एक कार्ड को ढूँढ़ने जाते हैं। वे अपने कार्ड को दूसरे बच्चों के साथ नही बदल सकते। बच्चों को जो मूल्य मिला है उसका दुगुना कूदना होगा। बच्चों को अगर एक अंक मिला तो दो बार कूदना है जैसे दस मिला तो बीस बार कूदना होगा। इसे अलग अलग समय में दोहरायें, उनके सिक्के के बदले उन्हें दुगुनी बार कुछ और करने को कहें (कमरे के दूसरी ओर दौड़ना, अँगुली छूना, दस सैकंड़ के लिये कुछ करते रहना, इत्यादि)

विकल्प:

यदि आप कार्ड को जगह की कमी या किसी अन्य कारण से छिपा नहीं पा रहे, तो आप स्वयं हर विद्यार्थी को एक कार्ड दें। मोड़ लें ताकि वे न देख सके। जब शिक्षक संकेत दे, तो विद्यार्थियों को कार्ड चारों ओर एक दूसरे को देना होगा। जब समय समाप्त हो जाये तो हर बच्चा अपने हाथ में कार्ड खोलकर अंक देखेगा कि उसे क्या अंक मिला है।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

उत्तर

उन्नत

गुप्त संदेश

♑ = ह

मु झे   ह मे शा

या द   र ख ना   है   कि

मे रे   ध न   यो ग्य ता   औ र

स म य   को   प र मे श्व र   के

लि ए   प्र यो ग   क र ना   हैं

उत्तर

यीशु आपको खाली बैठे हुए और
कुछ भी नहीं करते हुए ना पाएं।

मध्यम

उत्तर

यीशु (शु यी) आपका (प आ को) खाली (ली खा)
बैठे (ठे बै) हुए (ए हु) और (र औ)
कुछ (छ कु) भी नहीं (हीं न) करते (ते क र)
हुए (ए हु) ना पाएं। (एं पा)

याद करो : (सरल, मध्यम, कठिन)
उसके स्वामी ने उससे कहा, धन्य हे अच्छे और विश्वासयोग्य दास, तू थोड़े में विश्वासयोग्य रहा; मैं तुझे बहुत वस्तुओं का अधिकारी बनाऊंगा। मत्ती 25:21

कठिन

गुप्त संदेश

मे रे   ध न   यो ग्य ता   औ र

स म य   को   प र मे श्व र   के

लि ए   प्र यो ग   क रूँ

सरल

13

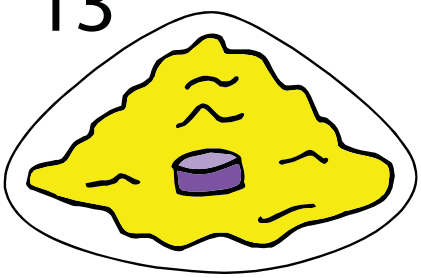

विद्यार्थियों को इस हफ्ते के स्टीकर काट कर अपने अध्ययन पाठ पर लगाने दें जहाँ बिन्दुओं से रेखा खीची गई है। उसके बाद उनसे उस पूरे पन्ने में रंग भरवाएँ।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

वेकेशन या अवकाशीय बाइबल स्कूल
मुफ्त डाउनलोड!

10632
Detectives Teacher
Hindi

www.ChildrenAreImportant.com
info@childrenareimportant.com
We are located in Mexico.
DK Editorial Pro-Visión A.C.

बच्चें महत्वपूर्ण है